

हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का 10वां दिन

दोनों सदन सोमवार तक स्थगित, लोकसभा से जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक 2026 हुआ पारित, पप्पू यादव के कृत्य पर संत समाज का फूटा गुस्सा

एजेसी ► नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन विपक्ष ने दोनों सदन में जोरदार हंगामा किया। विपक्ष छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर चर्चा की मांग और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाबदेही की मांग करता रहा। इस दौरान कई विपक्षी सांसद सदन के बीचों-बीच पहुंच गए और गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग करने लगे।संसद के मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की अगली बैठक अब 3 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे होगी। राज्यसभा के सभापति ने सदन की कार्यवाही को अगले निर्धारित समय तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की।इस बीच लोकसभा ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया।

राहुल के खिलाफ अनुराग ने दिया विशेषाधिकार हनन नोटिस



लोकसभा में विपक्ष का हंगामा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर की ओर से लाए गए विशेषाधिकार नोटिस पर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि वे राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लेकर आए हैं। लेकिन असल में यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ होना चाहिए।

संसद परिसर में साधु के भेष में प्रदर्शन पर नया विवाद

संत समाज ने जताई नाराजगी, उन्होंने अनुचित संदेश दिया, कार्रवाई हो

संसद भवन के मकर द्वार पर विपक्ष के प्रदर्शन पर संत समाज ने नाराजगी जताई है। विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष के प्रदर्शन पर अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पूरे संत समाज पर चोरी का आरोप लगाने जैसा संदेश अनुचित है। स्पीकर कार्रवाई करें।

सरस्वती ने तोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

साक्षी महाराज ने यादव को 'कालनेमि' बताया

भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस पूरा विपक्ष लगातार संतों, भगवा और सनातन का अपमान करता आया है। इन्होंने सनातन का अपमान करने की कोशिश की और कालनेमि जैसा अभिनय किया, वह निंदनीय है।

ऐसे नेताओं का विरोध हो मुल्ला-मौलवी बनकर ऐसा कृत्य कभी किया क्या?

महंत राजू दास ने राहुल ,यादव की आलोचना की। उन्होंने संत समाज से अपील की कि ऐसे नेताओं का विरोध किया जाए। उन्होंने कहा कि क्या किसी नेता, सांसद ने मुल्ला-मौलवी बनकर ऐसा कृत्य किया। ये शरणागत हों तो 'अच्छे से' खबर लें। ये कभी मुल्ला- मौलवी बने।

खबर संक्षेप

साउथ की दिग्गज गायिका जमुना रानी का निधन

बेंगलुरु। दक्षिण भारतीय दिग्गज गायिका जमुना रानी का निधन हो गया है। उम्र संबंधी समस्याओं के चलते गुरुवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। अपनी सुरीली आवाज से संगीत जगत में खास पहचान बनाने वाली जमुना रानी उम्र संबंधी परेशानियों से जूझ रही थीं। उन्होंने कल गुरुवार शाम बेंगलुरु में अपने निवास पर आखिरी सांस ली।

असम सरकार ने 2 नए आरक्षित वन को मंजूरी दी

गुवाहाटी। असम के सीएण हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने 2 नए वन को आरक्षित करने की शुरुआत की। जिससे राज्य में संरक्षित हरित क्षेत्र बढ़ जाएगा। जैविक कच्चे को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने एक रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से 'असम कंफ्रेड बायोगैस नीति' को भी मंजूरी दे दी।

गजियाबाद में 5,000 करोड़ का घोटाला

गजियाबाद। कवि नगर थाने में वैदिक आयरक्योर कंपनी और एक्सिस ई-कॉर्पोरेशन के खिलाफ 5,000करोड़ के बड़े घोटाले का मामला दर्ज किया गया है। 10लोगों को नामजद किया है। इन पर निवेश के नाम पर ठगाने का आरोप है। कंपनियों ने 9,000 की आईडी पर प्रतिमाह 1100 रुपए घरेलू सामान पर 33% छूट का वादा किया था।

मुंशी प्रेमचंद को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने शुरुवार को हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने उनकी रचनाओं को कालजयी बताते हुए कहा कि ये आज भी प्रासंगिक हैं और देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। रचनाओं से उन्होंने संवेदनाओं को सशक्त अभिव्यक्ति दी।

केरलम में शुरू हुई 'पिक बस' सर्विस

नई दिल्ली। देश में महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा लंबे समय से उठाता रहा है। समय-समय पर इसे लेकर सरकारों द्वारा अहम कदम भी उठाए जा रहे हैं। केरल सरकार ने 23 जुलाई को तिरुवनंतपुरम में महिलाओं के लिए 'पिक बस - लेडीज ओनली' सेवा शुरू की है। महिलाओं के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट को अधिक सुरक्षित, आरामदायक बनाना है।

केंद्र सरकार ने 5 योजनाओं को दी मंजूरी, सभी वर्गों को होगा लाभ

किसान सम्मान निधि से किसानों को मिलता रहेगा नियमित सहारा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी

एजेसी ► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के करोड़ों किसानों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को अगले 5 वर्षों के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी है। अब यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर 2030-31 तक लागू रहेगी। सरकार ने इस योजना के लिए 3.15 लाख करोड़ से अधिक का बजट प्रस्तावित किया है, जिससे पात्र किसानों को पहले की तरह आर्थिक सहायता मिलती रहेगी।पीएम किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर साल 6,000 की वित्तीय सहायता दी जाती है। यह राशि 2000 रुपए की 3 समान किस्तों में सीधे किसानों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेंनिफिट ट्रांसफर के जरिए भेजी जाती है। किस्तों का समय फसल चक्र के अनुसार तय किया गया है, ताकि किसानों को बुवाई और खेती की तैयारी के दौरान समय पर आर्थिक मदद मिल सके। सरकार ने 5 वर्षों के लिए इस योजना पर 3,15,614 करोड़ खर्च करने का प्रस्ताव रखा है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से किसानों को नियमित आय का सहारा मिलता रहेगा और खेती से जुड़े जरूरी खर्च पूरे करने में आसानी होगी। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी है।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने दी फैसलों की जानकारी खेती के लिए मिलेगी मदद

योजना के प्रमुख उद्देश्य

- समुद्र में तेल और गैस की खोज व उत्पादन को नई गति देना।
- बड़े पैमाने पर उच्च गुणवत्ता वाले सीसमक डेटा का संग्रह, प्रोसेसिंग और विश्लेषण करना।
- गहरे और अति-गहरे पानी वाले क्षेत्रों में तैजी से ड्रिलिंग करना।
- फ्रंटियर बेसिन में वैज्ञानिक ड्रिलिंग करना।
- साझा ऑफशोर उत्पादन और परिवहन अवसंरचना का विकास करना।
- एकीकृत ऑयल एंड गैस मैनुफैक्चरिंग एवं सर्विसेज जोन की स्थापना करना।

सरकार के अनुसार योजना की किस्तें ऐसे समय पर जारी की जाती हैं, जब किसानों को बीज, खाद, कीटनाशक और अन्य कृषि सामग्री खरीदने के लिए पैसों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इससे किसानों की नकदी संबंधी परेशानी कम होती है और उन्हें महंगे ब्याज पर कर्ज लेने की जरूरत भी कम पड़ती है।

5000 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर कैपेसिटी के लिए 5070 करोड़

कैबिनेट ने पीएम सूर्य सरोवर योजना के लिए 5070 करोड़ रुपए का बजट पास किया है। इसका टारगेट अगले पांच साल में 5000 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर कैपेसिटी तैयार करना है। इसमें जमीन अधिग्रहण की कोई जरूरत नहीं होगी। इससे पानी भाप बनकर कम

छोटे किसानों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

सरकार का कहना है कि इस योजना के अधिकांश लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान हैं। अब तक पीएम किसान योजना की 23 किस्तों के जरिए 4.47 लाख करोड़ से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है। नीति आयोग के आकलन के अनुसार इस योजना से बड़ी संख्या में किसानों की आय में सुधार हुआ है और उनकी अनौपचारिक कर्ज पर निर्भरता भी घटी है। किसानों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। इससे छोटे किसानों का ज्यादा लाभ होगा।

कांवड़ यात्रा

गंगनहर में डूबने से चंडीगढ़ के 4 कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार बड़ा हादसा हो गया। ज्वालपुर कोतवाली क्षेत्र जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार शाम गंगनहर में नहाते समय चार कांवड़ यात्री डूब गए। हादसे में चारों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों युवकों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए।

कांवड़ यात्रा के दौरान हादसा

गंगनहर में डूबने से चंडीगढ़ के 4 कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा के दौरान हरिद्वार बड़ा हादसा हो गया। ज्वालपुर कोतवाली क्षेत्र जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार शाम गंगनहर में नहाते समय चार कांवड़ यात्री डूब गए। हादसे में चारों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद चारों युवकों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए।

सीजेपी के प्रदर्शन व हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने सुनाई आप बीती

पापा के सिर पर 5 टांके थे और यूनिफार्म खून से लाल थी

एजेसी ► नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदर्शन और 'संसद चलो' के दौरान हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों के परिजनों ने शुरुवार को प्रेस वार्ता कर आपबीती सुनाई। घायल दिल्ली पुलिस एसीपी की पत्नी ने कहा कि 20 जुलाई की देर रात जब वे घायल हालत में घर लौटे, तो वह पल मेरे और मेरी दो साल की बेटी, दोनों के लिए बेहद दर्दनाक और सदमे वाला था। मेरे साथ दिल्ली पुलिस के परिवार के अन्य सदस्य भी हैं।

शरावती तत्वों ने पत्थर-हथियारों से हमला किया

एएसआई की पत्नी सीमा ने बताया कि मैंने 20 जुलाई शाम 7 बजे पति को कॉल मिलाया तो वो अस्पताल में थे और इलाज करा रहे थे। उन्होंने बताया कि बीड़ में शरावती तत्व एक्टिव हो गए थे। उन्होंने पत्थर और हथियारों से पुलिस बल को घायल कर दिया था। फिर उनका फोन बंद हो गया। मुझे डर लग रहा था।

पिता को 5 टांके लगे मीडिया में उन्हें ही क्रिमिनल बताया गया

एक पुलिस जवान की बेटी गुंजन ने बताया कि मेरे पिता फ्रंटलाइन में थे। जब वो घर आते थे, तो कहते थे कि ये अब स्टूडेंट प्रोटेस्ट नहीं रहा, इसमें गलत लोग जुड़ गए हैं। मेरे पिता के साथी उन्हें रात 10 बजे घर लेकर आए। उनके सिर पर पांच टांके थे।

प्रोटेस्ट में स्टूडेंट नहीं, गुंडे भी थे...

झाड़प में घायल हुए दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के परिजन ने कहा,यह छात्रों का विरोध-प्रदर्शन नहीं था, बल्कि, इसमें कुछ शरावती तत्व शामिल थे जिन्होंने प्रदर्शन को खराब करने और बदनाम करने की कोशिश की। इन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। प्रोटेस्ट में स्टूडेंट नहीं, गुंडे भी थे।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान रुचिका पर एफआईआर

प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित अभद्र लिपणी करने वाली रुचिका सिंह पर शिकायत के आधार पर 29 जुलाई को गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) के एक्सप्रेसवे थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के सवाल पर बोले आप भाजपा के हो क्या? राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पुलिस के घायल जवानों के परिजनों की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर सवाल पूछा गया। राहुल ने जवाब दिया- आप भाजपा के हो क्या? उन्होंने कहा था प्रदर्शन के दौरान कथित बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच हो।

भाजपा बोली

पुलिसकर्मियों पर हमले संवेदनशील होना चाहिए

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह फैक्ट है कि पुलिसकर्मियों पर हमला हुआ है वो घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमें इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील होना चाहिए। उनके भी परिवार हैं।

राहुल देश को भड़काना चाह रहे: जगदीश्विका

भाजपा सांसद जगदीश्विका पाल ने कहा कि राहुल गांधी देश के युवाओं को भड़काना चाहते हैं।



हरियाणा और उत्तरप्रदेश की तर्ज पर बने ठोस आउटसोर्स नीति

भोपाल। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा की तर्ज पर ठोस नीति तैयार करने एवं न्यूनतम 26 हजार रुपए वेतन किए जाने समेत अन्य मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री व लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग राजेंद्र शुक्ल को ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि प्रदेश शासकीय अस्पतालों में आउटसोर्स कर्मी सरकार की सभी योजनाओं में बढ़चढ़ कर पूर्ण इमानदारी से कार्य करते हैं। फिर भी निजी आउटसोर्स एजेंसियों की मनमानी के कारण शासन द्वारा निर्धारित पूरा वेतन नहीं दिया जा रहा है ना ही समय पर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने संघ के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि वह जल्द मुख्यमंत्री से चर्चा कर उनकी मांगों को निराकरण कराएंगे।

अब आयुर्वेद, यूनानी चिकित्सकों को नहीं कह सकेंगे झोलाछाप डॉक्टर

भोपाल। नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) के आचार एवं पंजीयन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सुश्रुत कन्नौजिया ने सर्कुलर परिपत्र जारी करते हुए आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा व सोवा- रिग्पा चिकित्सकों को झोलाछाप अथवा फर्जी डॉक्टर नहीं कह सकेंगे। ज्ञात रहे कि इन पेशियों के पंजीकृत चिकित्सक विधिवत स्नातक डिग्री कर प्रशिक्षित होते हैं। संगठन के प्रांताध्यक्ष डॉ. विनोद बैरागी ने कहा कि संगठन के प्रयासों से ही यह संभव हो सका है। मप्र आयुर्वेद सम्मेलन के डॉ. राकेश पाण्डेय ने एनसीआईएसएम के डॉ. सुश्रुत कन्नौजिया व आयुष मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जीएमसी: विद्यार्थियों को मिला बीएलएस एवं एसीएलएस का प्रशिक्षण

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के निश्चैता विभाग द्वारा वर्ष 2023 बैच के लगभग 250 स्नाकोत्तर विद्यार्थियों के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एवं एडवांस्ड कार्डियोवैस्कलर लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) प्रशिक्षण दिया गया। निश्चैतना विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। जीएमसी डीन डॉ. कविता एन सिंह के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलाई माह में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. सोनल अवास्था एवं डॉ. आरपी. कौशल, डॉ. दीपेश गुप्ता, डॉ. सुरेंद्र कुमार रायकवार, डॉ. उर्मिला केशरी, डॉ. यशवंत धावले का योगदान रहा।

विभागीय पदोन्नति में सीलबंद लिफाफा प्रक्रिया को लेकर असंतोष

भोपाल। विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया में डीपीसी से पहले सीलबंद लिफाफा अपनाए जाने को लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पीडब्ल्यूडी, वन समेत कई विभागों के कर्मचारियों के बीच कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं, इससे कर्मचारियों में असंतोष है। उनका कहना है कि विभाग नियमों की गलत व्याख्या कर पदोन्नति प्रक्रिया संचालित की जा रही है।

पेड़ पर चढ़ा मालू 20 फीट गहरे कुए में गिरा

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा वन मंडल के कैदई वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम छिंदिया में भोजन की आवश्यकता में जंगल से निकला एक अंधेड़ भालू कटहल खाने के लिए पेड़ पर चढ़ गया। ग्रामीणों की आवाज और शोर से घबराकर वह भागने लगा और बाड़ी में बने करीब 20 फीट गहरे खुले सूखे कुए में गिर गया। वन विभाग ने करीब 15 घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद उस से सुरक्षित बाहर निकालकर जंगल की ओर रवाना कर दिया। घटना बुधवार सुबह की है।

उज्जैन विक्रम उद्योगपुरी औद्योगिक परियोजनाओं का लिया जायजा

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में गुरुवार को विक्रम उद्योगपुरी का निरीक्षण कर औद्योगिक विकास एवं निवेश परियोजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण में कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में लगने वाले उद्योगों में स्थानीय किसानों एवं ग्रामीणों को प्राथमिकता पर रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिले। किसानों को औद्योगिक इकाइयों में आवश्यक फसलों का उत्पादन करने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो एवं उद्योगों को भी आवश्यकतानुसार कच्चा माल आसानी से उपलब्ध हो सके।

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की उद्योग-अनुकूल नीतियों, आधुनिक अधोसंरचना और निवेशकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण प्रदेश में उद्योगों का तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री को एमपीआईडीसी के कार्यालयक निदेशक राजेश राठोड़ ने जिले में संचालित एवं प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं, औद्योगिक अधोसंरचना विकास, भूमि आवंटन तथा निवेश की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- उद्योगों में स्थानीय किसानों एवं ग्रामीणों को प्राथमिकता से करवाएं रोजगार उपलब्ध

►► विक्रम उद्योगपुरी में निवेश और रोजगार को मिलेगी नई गति

►► ढाई वर्षों में 246 नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित



परियोजनाओं का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ।

लगभग 16,150 करोड़ रुपए के निवेश

उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में उज्जैन जिले में 246 नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की गई है। इनमें लगभग 16,150 करोड़ रुपए के निवेश तथा 14,500 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार

के अवसर सृजित होंगे। निर्माणाधीन आईटी पार्क का प्रथम चरण पूर्ण हो चुका है। वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में मेसर्स बेस्ट लाइफ कॉर्पोरेशन तथा मेसर्स प्रतिभा स्वराज लिमिटेड द्वारा 315 करोड़ से अधिक का निवेश किया जा रहा है।

केले की फसल के नुकसान के लिए किसानों के खाते में डाली 107.82 करोड़ की राशि

किसानों की समृद्धि और आय बढ़ाने के लिए हो रहे बलराम कृषि महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुरहानपुर में मई और जून में मौसम की मार ने केले की फसल को बहुत नुकसान पहुंचाया। बुरहानपुर नगर, बुरहानपुर ग्रामीण, नेपानगर और खकनार तहसीलों के 188 गांवों के 8 हजार 115 किसानों की केले की फसल प्रभावित हुई है। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़ी है।

आज प्राकृतिक आपदा से प्रभावित जिले के 8 हजार से अधिक किसानों के खातों में 107 करोड़ 72 लाख रुपए से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जा रही है। डॉ. यादव गुरुवार को बुरहानपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केले की पैदावर में हुए नुकसान के लिए किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से मुआवजा राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की समृद्धि और आय बढ़ाने के लिए जिलों में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन हो रहा है। इसकी शुरुआत मां अहिल्याबाई होल्कर की धरती इंदौर से की गई थी।

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर के बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से किया वर्चुअली संबोधित



किसानों के खातों में राशि अंतरित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ।

केले से बने उत्पादों ने देश-दुनिया में बनाई पहचान

डॉ. यादव ने कहा कि तापती मैया के आशीर्वाद से बुरहानपुर क्षेत्र अपनी उद्यानिकी फसलों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के स्वादिष्ट केले, हल्दी और कपास अपने आप में बेहद खास है। यहां कृषि से लेकर कपड़ा, दवा से लेकर फर्नीचर और पाइप उपकरण से लेकर अन्य कई सामग्रियों का निर्माण होता है। अब केले के रेशे से कपड़ा और सजावटी सामान भी तैयार किया जा रहा है। इन उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से बिक्री के

जरिए देश-दुनिया में बुरहानपुर को नई पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खंडवा और बुरहानपुर की कपास मंडी में टैक्स 1 रुपए से घटाकर आधा करने के निर्देश दिए गए हैं। बुरहानपुर के किसानों को धार के पीएम मित्र पार्क का भी लाभ मिलेगा। बुरहानपुर अब केवल कच्चे माल ही नहीं, बल्कि प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, एक्सपोर्ट का भी बड़ा हब बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

संग्रहालय निर्माण में पुरानी निर्माण पद्धति और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए : मुख्यमंत्री



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में गुरुवार को कोठी महल स्थित निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत 'वीर भारत संग्रहालय' का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जीर्णोद्धार कार्य में इस्तेमाल की जा रही निर्माण सामग्री (कंस्ट्रक्शन मटीरियल) का निरीक्षण किया और स्थल पर काम कर रहे श्रमिकों व कारीगरों से बातचीत कर उनका हाल-चाल

जाना। उन्होंने निर्देश दिए कि रिनोवेशन में पुरानी एवं पारंपरिक निर्माण पद्धतियों का ही अनुसरण किया जाए, जिससे इमारत की मौलिकता बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की बात कही। इस परियोजना का निर्माण कार्य आगामी नवंबर माह तक पूर्ण होने की संभावना व्यक्त की गई है।

कार्विडियों के लिए सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि श्रावण मास में प्रदेश में जहां-जहां से कांवड़ यात्रा निकलने वाली है, वहां कार्विडियों के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने आह्वान किया कि किसान नई तकनीक को आत्मसात करें, प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और उद्यानिकी फसलों से अपनी आय बढ़ाएं। खेती से सभी प्रकार के उद्योगों के लिए कच्चा माल और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष के माध्यम से किसानों को लाभान्वित करने के लिए 16 विभागों के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार की है।

अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेसर्स पेट्सको इंडिया लिमिटेड की अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री द्वारा लगभग 1,266 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित इस इकाई का वर्चुअल लोकार्पण किया गया था। इस परियोजना से लगभग 800 प्रत्यक्ष तथा बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्र में 50.05 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन

वर्किंग वूमैन हॉस्टल का भी निरीक्षण किया। यह आधुनिक आवासीय परिसर औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत लगभग 1,500 महिलाओं को सुरक्षित, सुविधायुक्त एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराएगा। डॉ. यादव ने कहा कि महिला कर्मचारियों के लिए बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होने से प्रदेश में महिला कार्यबल की मांगोदारी बढ़ेगी तथा महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी।

दतिया की जागरूक जनता ने बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत किया

►► भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दतिया के मतदाताओं का जताया आभार



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गुरुवार को संपन्न हुए दतिया विधानसभा उपचुनाव के मतदान में उत्साह, जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ भागीदारी निभाने वाले सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दतिया की जागरूक जनता ने बड़ी संख्या में मतदान कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी अटूट आस्था और विश्वास का परिचय दिया है। लोकतंत्र की मजबूती में जनता की सक्रिय भागीदारी ही सबसे बड़ी शक्ति होती है और दतिया के मतदाताओं ने इस दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन किया है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। दतिया विधानसभा के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर यह संदेश दिया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी गहरी आस्था है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि सभी वर्गों की भागीदारी लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं समृद्ध बनाती है।

लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि: खंडेलवाल
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागी बने प्रत्येक मतदाता का हृदय से अभिनंदन करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दतिया की जनता ने प्रदेश के विकास, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है और जनता का निर्णय सदैव सर्वोच्च एवं सर्वमान्य होता है। उन्होंने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मतदान संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत निर्वाचन आयोग, जिला निर्वाचन प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सुरक्षा बलों, मतदान दलों तथा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से मतदान प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिससे मतदाताओं को निर्भीक एवं सहज वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिला।

छीना-झपटी में टूटकर गिरी 3 तोले की चेन, पुलिस ने जवाब दिया बदमाशों ने की महिला से चेन स्नेचिंग की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ►► गिलाई

भिलाई नगर थाना क्षेत्र के पॉश इलाके प्रियदर्शिनी परिसर में शुक्रवार की सुबह-सुबह चेन स्नेचिंग की एक घटना आई है। घर के बाहर सुबह की सैर कर रही एक महिला को बाइक सवार शातिर बदमाशों ने अपना निशाना बनाया।

उनके गले से सोने की चेन झपटने की कोशिश की। हालांकि, छीना-झपटी के दौरान तीन तोले की सोने की चेन टूटकर वहीं जमीन पर गिर गई, जिसे बाद में पुलिस ने मौके से बरामद कर लिया।



सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही काइम ब्रांच
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एसएसपी विजय अग्रवाल, नगर पुलिस अधीक्षक शिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी, सुपेला थाना प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह और काइम ब्रांच की विशेष टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने पीड़िता से पूरी घटना की जानकारी ली और मौका-कुआयना किया। इसके साथ ही जमीन पर गिरी हुई सोने की चेन को जबा कर लिया गया। अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

सुबह की सैर के दौरान हुई घटना

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित महिला शुक्रवार सुबह अपने घर के सामने टहल रही थी। इसी दौरान बाइक से पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने अचानक उन पर झपटा। बदमाश महिला के गले में पहनी सोने की चेन खींचने लगे। महिला ने साहस दिखाते हुए विशेष किया, जिससे बदमाशों के हाथ में पूरी चेन नहीं आ सकी और झटके से टूटकर घटनास्थल पर ही गिर गई। पकड़ाए जाने के डर से बदमाश तुरंत मौके से बाइक पर सवार होकर फरार हो गए।

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 224 करोड़ 75 लाख की राशि जारी

भोपाल। पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य को सुदृढ़ वित्तीय संबल प्रदान करने के ध्येय से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 224 करोड़ 75 लाख रुपए की राशि स्वीकृत एवं जारी की गई है। काइम 9वीं एवं 10वीं में अध्ययनरत पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति मिलेगी। आयुक्त डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि राज्यमंत्री कृष्णा गौर की मार्गदर्शन के अनुसूप विभाग पिछड़े वर्ग के विकास एवं शैक्षणिक उन्नयन के लिए निरंतर कार्यरत है।

सुविधाओं से लैस सर्प उद्यान बनेगा शोध व जन-जागरूकता का केंद्र

होमगार्ड के जवानों को भी दिया जाए सांप पकड़ने और रेस्क्यू करने का प्रशिक्षण

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को रेटाइल पार्क (सर्प उद्यान) एवं अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि होमगार्ड के जवानों को भी सांप पकड़ने और सुरक्षित रेस्क्यू करने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई बार रिहायशी क्षेत्रों में सांप निकलने की घटनाएं सामने आती हैं।

ऐसे समय प्रशिक्षित होमगार्ड जवान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सर्पों का सुरक्षित रेस्क्यू कर सकेंगे। इससे वन्यजीव संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा और आमजन में भय की स्थिति भी कम होगी। उज्जैन को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल



पार्क का नक्शा देखते सीएम डॉ. मोहन यादव ।

के तहत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बसंत विहार क्षेत्र में स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन रेटाइल पार्क (सर्प उद्यान) एवं अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों से परियोजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निर्माणाधीन रेटाइल पार्क एवं अनुसंधान केंद्र का किया निरीक्षण

सरीसृपों के वैज्ञानिक अध्ययन का मिलेगा अवसर

रेटाइल पार्क का उद्देश्य केवल सर्पों का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि लोगों में सांपों और अन्य सरीसृपों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी है। यह केंद्र आमजन को यह समझाने का प्रयास करेगा कि अधिकांश सांप पर्यावरण के लिए उपयोगी होते हैं और जैव विविधता के संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सर्प उद्यान के माध्यम से लोगों में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी, वहीं बच्चों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सरीसृपों के वैज्ञानिक अध्ययन का अवसर भी मिलेगा। यह केंद्र संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवासों के महत्व और जैव विविधता के संवर्धन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही रेस्क्यू सेंटर के माध्यम से घायल अथवा संकटग्रस्त सर्पों का उपचार और पुनर्वास भी किया जाएगा।

एजुकेशन सेंटर एवं अत्याधुनिक रेस्क्यू सेंटर का निर्माण हो रहा

रेटाइल पार्क को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। यहां आगंतुकों के लिए विशेष विजिटर जोन, विभिन्न प्रजातियों के सर्पों और अन्य सरीसृपों के प्रदर्शन के लिए प्रदर्शनी क्षेत्र, जनसुविधा केंद्र, चिकित्सालय, एजुकेशन सेंटर तथा अत्याधुनिक रेस्क्यू सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही स्नेक पार्क भी विकसित किया जाएगा, जहां सर्पों के प्राकृतिक व्यवहार और उनके संरक्षण से जुड़ी जानकारी लोगों को उपलब्ध कराई जाएगी।

जबलपुर सीएमएचओ विवाद: रिट अपील खारिज

हाईकोर्ट ने तथ्य छिपाने और याचिका के दुरुपयोग पर जताई नाराजगी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय निदेशक व प्रभारी सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा के खिलाफ लोकायुक्त जांच की मांग को लेकर दायर रिट अपील को खारिज कर दिया है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता द्वारा तथ्यों को छिपाने और अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग करने पर कड़ा रख अपनाया।

मामला जबलपुर स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा के खिलाफ लोकायुक्त में दी गई शिकायतों पर कार्रवाई न होने से जुड़ा है। 'डीपली न्यूज' के संपादक प्रहलाद साहू ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर लोकायुक्त संगठन को स्वतंत्र जांच करने के निर्देश देने की मांग की थी। हालांकि, सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि इसी विषय पर एक ही वकील के माध्यम से बार-बार याचिकाएं दाखिल की जा रही थीं।

अदालत ने पाया कि पूर्व में एक अन्य पत्रकार नरेंद्र कुमार राकेशिया द्वारा भी इन्हीं आरोपों को लेकर रिट याचिकाएं दाखिल की जा चुकी थीं, जिसमें अदालत पहले ही लोकायुक्त को 45 दिनों के भीतर शिकायत

कटनी की सीएसपी पर कई गंभीर आरोप

जबलपुर की एसपी अनु बेनीवाल को मिली जांच की कमान

जबलपुर। कटनी की नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नेहा पच्चीसिया पर अवैध वसूली और विभागीय लापरवाही के गंभीर आरोप लगने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए दोनों मामलों की जांच जबलपुर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति अनु बेनीवाल को सौंपी गई है।

जानकारी के अनुसार, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी महेंद्र जैन ने 22 जुलाई को कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि 21 जुलाई की रात वाहन चेंकिंग के दौरान उनकी हाईवा गाड़ी रोककर 30 हजार रुपये की मांग की गई। शिकायत में दावा किया गया है कि मौके पर 25 हजार रुपये नकद लिए गए, जबकि शेष 5 हजार रुपये अगले दिन चालक के माध्यम से देने की बात कही गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम नहीं देने पर वाहन जबरन कर कार्रवाई की धमकी दी गई। शिकायत के साथ साक्ष्य भी सौंपे गए हैं। हालांकि बाद में उन्होंने शिकायत वापस लेने का आवेदन भी एसपी को दिया।

मामले की प्रारंभिक जांच के बाद कटनी एसपी ने सीएसपी के चालक एवं आरक्षक केशव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सीएसपी नेहा पच्चीसिया से कुठला, माधवनगर और रंगनाथ नगर थानों का प्रभार वापस लेकर यह जिम्मेदारी अजाक डीएसपी शिवा पाठक को सौंप दी गई। इसी बीच सीएसपी के खिलाफ

विभागीय जांच के दो अन्य मामले भी सामने आए हैं। एक हत्या के प्रकरण में निर्धारित 90 दिनों के भीतर न्यायालय में चालान प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण आरोपी को डिफॉल्ट जमानत मिलने का मामला जांच के दायरे में है। वहीं उसी प्रकरण के आरोपी ने न्यायालय में परिवाद दायर कर आरोप लगाया है कि कानूनी लाभ पहुंचाने के बदले उसकी मूल्यवान जमीन कम कीमत पर बिकवाई गई। पुलिस विभाग ने इन सभी आरोपों की गंभीरता को देखते हुए ट्रांसपोर्टर से कथित वसूली और हत्या प्रकरण में प्रक्रियागत अनियमितताओं से जुड़ी जांच जबलपुर की एसपी अनु बेनीवाल को सौंप दी है। फ़िलहाल आरोपों की जांच जारी है और इनकी पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

देशी कट्टा, कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गढ़ा पुलिस ने पावर हाउस के पास एमसीएसआर के सामने नेहरु नगर में देशी कट्टा लेकर घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 देशी कट्टा एवं 1 कारतूस जब्त किया है। गढ़ा थाना प्रभारी प्रखन कुमार शर्मा ने बताया कि गत रात सुबहिर की सूचना पावर हाउस के पास एमसीएसआर के सामने नेहरु नगर में वाददात करने के नियत से घूम रहे कट्टरा मोहल्ला पाटन निवासी 18 वर्षीय समीर खान उर्फ पाटन को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी कट्टा एवं एक कारतूस जब्त करते हुये आरोपी के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

नर्मदा में नहाने उतरा युवक डूबा, एक दिन बाद मिला शव

जबलपुर। तिलवारा घाट पर नर्मदा नदी में नहाने के दौरान डूबे युवक का शव घटना के करीब एक दिन बाद गोताखोरों ने बरामद कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार राइली के मानेगांव गांधी चौक निवासी राजेन्द्र कोल ने बताया कि उनका बेटा शशांक उर्फ संदेश कोल 29 जुलाई की दोपहर अपने दोस्त विपिन कोल के साथ पहले शाहनाला स्थित छुआ के घर गया था। वहां से दोनों तिलवारा घाट नर्मदा नदी में नहाने पहुंचे, जहां दोपहर करीब 3:30 बजे नहाते समय शशांक गहरे पानी में डूब गया। लगातार तलाश के बाद 30 जुलाई की शाम तिलवारा घाट पर नाव चलाते वाले गोताखोरों ने युवक का शव नदी से बाहर निकाला।

विक्टोरिया में दंत चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी पर बवाल

सीएमएचओ के आदेश से बढ़ी हलचल, डॉक्टरों में नाराजगी

नवीन कोठारी ने रोस्टर के आधार पर दंत चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के मुताबिक रोस्टर में शामिल डॉक्टरों को तय समय पर कैजुअल्टी में उपस्थित रहना होगा और अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई की जा सकती है।

सूत्रों का कहना है कि इस निर्णय के बाद कई दंत चिकित्सकों ने अनौपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां जताई हैं। उनका तर्क है कि दंत चिकित्सा सेवाएं पहले से निर्धारित ओपीडी व्यवस्था के तहत संचालित होती हैं और इमरजेंसी ड्यूटी का अतिरिक्त दायित्व कार्य व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, इस संबंध में चिकित्सकों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। दूसरी ओर, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि कई

बार दांत से जुड़ी गंभीर चोट, रक्तस्राव या अन्य आपात स्थितियों में मरीज सीधे कैजुअल्टी पहुंचते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल विशेषज्ञ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है, ताकि मरीजों को बिना इलाज लौटना न पड़े। स्वास्थ्य विभाग के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि रोस्टर का पालन अनिवार्य होगा। यदि कोई चिकित्सक निर्धारित ड्यूटी से अनुपस्थित पाया जाता है या आदेश की अवहेलना करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नई व्यवस्था इमरजेंसी सेवाओं को वास्तव में मजबूत करेगी, या फिर डॉक्टरों की नाराजगी के बीच इसे लागू करना प्रशासन के लिए नई चुनौती साबित होगा। फ़िलहाल पूरे मामले पर स्वास्थ्य विभाग और दंत चिकित्सकों की निगाहें टिकी हुई हैं।

इंदौर के 2 आरोपियों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

जबलपुर। व्यवसाय विस्तार के लिए बैंक से ऋण दिलाने का झांसा देकर 52 लाख 50 हजार रुपये हड़पने के मामले में विजयनगर थाना पुलिस ने इंदौर के दो आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मेसर्स 'चैतन्य प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स' के एमआर डायरेक्टर सूर्यकांत पाठक ने शिकायत दर्ज कराई कि वर्ष 2025 में कंपनी को बड़े ऋण की आवश्यकता थी। इसी दौरान परिचित निखिल सोनी ने इंदौर स्थित एमपी एसोसिएट्स के डायरेक्टर योगेश पाटिल और मनीष सिंह कटारिया से संपर्क करवाया। दोनों ने बैंक से बड़ा लोन स्वीकृत कराने अथवा निवेशक उपलब्ध

लोन दिलाने के नाम पर 52.50 लाख की टगी

कराने का भरोसा दिया। आरोप है कि दोनों ने कंपनी के नाम पर फर्जी लोन एग्रीमेंट तैयार

अमृत 1.0 सीवेज परियोजना सहित कई विकास कार्यों की सौगात आज

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को शहर के प्रवास पर रहेंगे। उनके मुख्य आतिथ्य में दोपहर 12 बजे डुमना नेचर पार्क में मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधारोप अभियान और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'कैच द रेन' अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे घंटाघर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री अमृत 1.0 सीवेज परियोजना का लोकार्पण करेंगे। साथ ही रजक समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त लॉन्ड्री क्षेत्र तथा गुरंदी में नव-निर्मित आधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र की सौगात भी देंगे। कार्यक्रम में डिजिटल सेवाओं से जुड़ी नई पहल का शुभारंभ किया जाएगा। इसके अलावा पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को क्रेडिट कार्ड वितरित कर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया जाएगा।

10 लाख की खेप छोड़ जंगल में भागा तस्कर

जबलपुर। किस्मत जब साथ छोड़ दे तो अपराध का सबसे बड़ा राज भी पल भर में खुल जाता है। खमरिया थाना क्षेत्र में ऐसा ही हुआ, जब वाहन चेंकिंग से बचने के लिए कार मोड़कर भाग रहे तस्कर की गाड़ी कीचड़ में धंस गई। कार निकालने की कोशिश आसानी रही तो चालक वाहन चालू हालत में छोड़ जंगल के रास्ते फरार हो गया। पीछे पहुंची पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिककी से करीब 20 किलो 433 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 10 लाख 21 हजार रुपये आंकी गई है।

खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक के मुताबिक, गुरुवार देर रात अमझर घाटी में पुलिस की वाहन चेंकिंग चल रही थी। इसी दौरान शहर की ओर

कीचड़ ने खोल दी गांजा तस्करी की पोल

पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिककी में रखे नीले-सफेद थैले और दो प्लास्टिक की बोरियों में 10 पैकेट गांजा बरामद हुए। तौल कराने पर कुल वजन 20 किलो 433 ग्राम निकला। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 10 लाख 21 हजार 650 रुपये बताई गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार तस्कर की पहचान और गांजे की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए कार के रजिस्ट्रेशन और अन्य सुरागों के आधार पर जांच तेज कर दी गई है।

संस्कारधानी को आज मिलेगी प्रदेश के सबसे हाईटेक तिलवारा थाने की सौगात, सीएम डॉ. मोहन यादव करेंगे लोकार्पण

पहली बार मुख्यमंत्री के हाथों होगा थाना भवन का उद्घाटन, कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह के प्रयासों से मिली भूमि, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय और टीआई बृजेश मिश्रा की पहल से साकार हुई आधुनिक पुलिसिंग की परिफलपना

हरिभूमि, जबलपुर।

संस्कारधानी जबलपुर के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। प्रदेश के सबसे आधुनिक और हाईटेक थाना भवनों में शामिल तिलवारा थाना का लोकार्पण आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। यह अपने आप में गौरव का विषय है कि संस्कारधानी में पहली बार किसी मुख्यमंत्री के हाथों किसी थाना भवन का औपचारिक उद्घाटन होने जा रहा है। करीब सवा दो करोड़ रुपये की लागत से लागभग एक एकड़ भूमि पर निर्मित यह थाना अपने वाले वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पीछे लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अहम भूमिका रही। प्रारंभिक योजना के अनुसार थाना भवन तिलवारा पुल के उस पार नहर के समीप प्रस्तावित था, लेकिन सुरक्षा, यातायात और जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह के प्रयासों से वर्तमान स्थान के लिए भूमि उपलब्ध कराई गई। इसके बाद पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा के समन्वय से आधुनिक सुविधाओं से युक्त थाना भवन का सपना साकार हो सका।

25 साल आगे की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार हुआ थाना

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के अनुसार तिलवारा थाना केवल वर्तमान जरूरतों के लिए नहीं, बल्कि अगले 25 वर्षों की पुलिसिंग को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। थाना क्षेत्र में तेजी से बढ़ती आबादी, शहरी विस्तार और राष्ट्रीय राजमार्ग से इसकी निकटता को देखते हुए पूरे मध्यप्रदेश में भविष्य की स्मार्ट पुलिसिंग का नया मॉडल बनकर उभरेगा।

विवाद के बीच टोकने पर पड़ोसी की हत्या करने वाले को उम्कैद

जबलपुर। पत्नी के साथ विवाद के दौरान पड़ोसी के विरोध पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या के मामले में जिला अदालत ने आरोपी अजय रैकवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश राहुल सिंह की अदालत ने उस पर 1500 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन के अनुसार 24 अप्रैल 2022 को खाई मोहल्ला, सिंधी कैंप निवासी अजय रैकवार घर पहुंचा था। वहां पत्नी को पड़ोस की महिला के साथ बैठे देखकर वह गालीगलौज करने लगा। पड़ोसी दिलाशाद ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने चाकू से उस पर कई बार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। हनुमानताल पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान पेश साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी माना।

काँपी देखने के लिए फीस जमा फिर भी एक महीने से इंतजार रादुविवि की सुस्त व्यवस्था से छात्र परेशान

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। प्रोफेशनल कोर्स की उत्तरपुस्तिका देखने के लिए आवेदन करने वाले छात्र पिछले एक महीने से विश्वविद्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न कॉपी दिखाई गई और न ही प्रशासन की ओर से कोई सूचना दी गई। हैरानी की बात यह है कि उत्तरपुस्तिका देखने के लिए विद्यार्थियों ने एक हजार रुपये तक शुल्क जमा किया है, इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई। छात्रों का आरोप है कि न तो फोन किया गया और न ही कोई मैसेज भेजा गया, जिससे वे पूरी तरह असमंजस में हैं। सबसे ज्यादा परेशानी एटीकेटी परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को हो रही है। जिन छात्रों को अपनी उत्तरपुस्तिका की जांच या अंकों की

चिंतन

दंगाइयों पर न हो कोई नरमी

वर्ष 2020 के दिल्ली दंगे लोकतंत्र और सामाजिक सौहार्द पर एक गहरी चोट थे। हिंसा के पीछे चाहे कोई भी व्यक्ति, संगठन या राजनीतिक पहचान हो, कानून का जवाब समान होना चाहिए। इन दंगों में मारे गए आईबी अधिकारी अंकित शर्मा के मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाया जाना अदालत का अहम फैसला है। 51 चोटों के साथ नाले से मिला अंकित शर्मा का शव हिंसा की क्रूरता की भयावह तस्वीर पेश करता है। यह फैसला केवल एक हत्या के दोषियों की सजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि राजनीतिक पहचान, पद या प्रभाव कानून से ऊपर नहीं हो सकते। हालांकि अदालत ने छह आरोपियों को साक्ष्यों के आधार पर बरी भी किया, जो यह बताता है कि न्याय का अर्थ केवल सजा देना नहीं, बल्कि प्रमाण के आधार पर दोष और निर्दोषता तय करना भी है। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन इसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं है। खासकर यह तब और चिंताजनक हो जाता है, जब कोई राजनीतिक दल व तत्कालीन सरकार से जुड़ा व्यक्ति ऐसे दंगों में शामिल हो और एक आईबी अधिकारी की हत्या का दोषी हो। न्यायपालिका ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है और दोषियों को सख्त सजा दी है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान भी कुछ ऐसी ही तस्वीर सामने आई हैं। जहां बलवाइयों ने सरकार संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और कई पुलिसकर्मियों पर भी हमले किए हैं। ऐसे में जरूरत है कि दंगों के मामलों में जांच और अभियोजन की प्रक्रिया तेज, निष्पक्ष और पारदर्शी हो। राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर हर पीड़ित को न्याय और हर दोषी को कानून के मुताबिक सजा मिले। समाज के लिए सबसे बड़ा सबक यही है कि नफरत की राजनीति अंततः हिंसा को जन्म देती है और हिंसा किसी एक परिवार को नहीं, पूरे समाज को घायल करती है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू राजनीति का अपराधीकरण है। ताहिर हुसैन एक चुना हुआ जनप्रतिनिधि था, जिसका प्राथमिक कर्तव्य अपने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और भाईचारा बनाए रखना था। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए और अपने रसूख व घर का इस्तेमाल दंगों की साजिश रचने और हिंसा भड़काने के लिए करने लगे, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होती है। यह राजनीतिक दलों के लिए भी एक कड़ा सबक है कि वे उम्मीदवारों का चयन करते समय केवल 'जिताऊ क्षमता' न देखें, बल्कि उनके वैचारिक और नैतिक चरित्र की भी कड़ाई से जांच करें। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि केवल किसी राजनीतिक दल का चेहरा नहीं होता, बल्कि वह जनता के भरोसे का प्रतिनिधि होता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि संकट की घड़ी में वह लोगों को जोड़ने, तनाव कम करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भूमिका निभाए। यदि किसी जनप्रतिनिधि पर हिंसा में भागीदारी का आरोप साबित होता है और अदालत उसे दोषी ठहराती है, तो यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक जीवन में भरोसे के संकट का विषय भी बन जाता है। इसलिए राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टिकट देने से लेकर संगठन में जिम्मेदारी सौंपने तक उम्मीदवार के आचरण और सार्वजनिक जीवन की पृष्ठभूमि की भीभरता से जांच हो। दिल्ली दंगों की त्रासदी से निकला सबसे बड़ा संदेश यही है कि राजनीति में विचारों की लड़ाई हो सकती है, लेकिन ईंसानियत और कानून की कीमत पर नहीं।

मंथन
सोनम लववंशी

शब्दों का पतन और समाज का मौन संकट

कि सी भी सभ्यता की ऊंचाई उसकी गगनचुंबी इमारतों, चौड़ी सड़कों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं आंकी जाती। उसका वास्तविक परिचय उसकी भाषा से मिलता है। शब्द केवल विचार व्यक्त करने का माध्यम नहीं होते, वे समाज के संस्कार, नैतिकता और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत दस्तावेज होते हैं। इसलिए जब सार्वजनिक आंदोलनों में गाली-गलौज सामान्य अभिव्यक्ति का रूप लेने लगे, तब संकट केवल भाषा का संकेत बन जाता है। हाल के दिनों में सीजेपी आंदोलन से जुड़े कुछ वायरल वीडियो व्यापक चर्चा का विषय बने। इन वीडियो में कुछ युवतियाँ विरोध प्रदर्शन के दौरान अत्यंत अशोभनीय और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करती दिखाई दीं। लोगों को केवल अभद्र शब्दों ने नहीं चौंकाया, बल्कि इस तथ्य ने भी विचलित किया कि उस भाषा को निर्भीकता, प्रतिरोध और आधुनिकता की पहचान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार संविधान प्रदत्त है। असहमति किसी भी जीवंत लोकतंत्र की प्राणवायु है। प्रश्न केवल इतना है कि क्या गाली किसी आंदोलन को अधिक वैध, प्रभावशाली या नैतिक बना देती है? वास्तविक समस्या किसी एक आंदोलन, किसी एक समूह अथवा कुछ युवतियों तक सीमित नहीं है। यह हमारे समय की उस बदलती मानसिकता का प्रतिबिंब है, जिसमें शालीनता को संकोच, संयम को कमजोरी और अभद्रता को साहस का पर्याय मान लिया गया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को अभूतपूर्व गति दी है। जितनी अधिक उतेजक भाषा, उतनी अधिक दृश्यता; जितना अधिक विवाद, उतनी अधिक लोकप्रियता। परिणामस्वरूप विचारों की गंभीरता पीछे छूटती जा रही है और सारसनी सार्वजनिक संवाद का नया मानक बनती जा रही है। भारतीय समाज में नारी को केवल जैविक या सामाजिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि संवेदनशील सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक के रूप में भी देखा गया है। इस दृष्टि का अर्थ महिलाओं पर अतिरिक्त नैतिक बोझ डालना नहीं है। सार्वजनिक जीवन में गरिमा, शिष्टता और उत्तरदायित्व की अपेक्षा प्रत्येक नागरिक से समान रूप से की जाती है। यदि कोई पुरुष सार्वजनिक मंच से अपशब्द कहता है, तो वह भी उतना ही अनुचित है। यदि कोई महिला वही करती है, तब भी उसका आचरण समान रूप से अस्वीकार्य है। नैतिकता का संबंध लिंग से नहीं, चरित्र और व्यवहार से होता है। सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि आज गाली को ‘बोल्डनेस’, ‘फिल्टरलेस अभिव्यक्ति’ और ‘रॉ ऑथेंटिसिटी’ जैसी आकर्षक संज्ञाओं से वैधता प्रदान की जा रही है। युवाओं का एक वर्ग यह मानने लगा है कि जितनी अधिक आक्रामक भाषा होगी, उतनी ही अधिक सामाजिक स्वीकृति और डिजिटल लोकप्रियता मिलेगी। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की संवाद पर आधारित संस्कृति को भीतर से कमजोर करती है। इतिहास बताता है कि सबसे प्रभावशाली आंदोलनों ने अपनी शक्ति शोर से नहीं, नैतिक ऊंचाई से अर्जित की है। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवादी सत्ता को चुनौती दी, फिर भी उनकी भाषा में मर्यादा बनी रही। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था की कठोर आलोचना की, फिर भी उनके शब्द तर्क, तथ्य और संवैधानिक गरिमा से परिपूर्ण रहे। उनके विचार आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं क्योंकि उनमें क्षणिक उत्तेजना नहीं, बल्कि स्थायी बौद्धिक शक्ति निहित है। इतिहास ने सिद्ध किया है कि अपशब्द क्षणिक ताली तो बटोर सकते हैं, स्थायी सम्मान कभी नहीं। भाषा का यह अवमूल्यन केवल जेन-जी की समस्या नहीं है। सार्वजनिक जीवन का संपूर्ण वातावरण इसके लिए उत्तरदायी है। राजनीति में व्यक्तिगत कटाक्ष, टेलीविजन बहसों का शोर, सोशल मीडिया की ट्रोल संस्कृति और मनोरंजन जगत में सनसनी की बढ़ती प्रवृत्ति ने संवाद की गरिमा को निरंतर क्षीण किया है। नई पीढ़ी वही सीखती है, जो वह अपने सामाजिक परिवेश में देखती और सुनती है। जब सार्वजनिक विमर्श में संयम की जगह आक्रामकता प्रतिष्ठित होने लगे, तब युवाओं से शिष्ट भाषा की अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। सभ्यता का भविष्य इस बात से तय होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों को संवाद की संस्कृति सौंपते हैं या अपमान की। समाज का वास्तविक पतन उस दिन आरंभ नहीं होता, जब लोग सत्ता से असहमति व्यक्त करते हैं; वह उस दिन आरंभ होता है, जब असहमति व्यक्त करने के लिए भाषा की मरिमा का परित्याग कर दिया जाता है। सभ्यताओं का पतन युद्धों से पहले शब्दों में दिखाई देता है। इसलिए शब्दों की मर्यादा बची रहे, तभी समाज की मर्यादा भी सुरक्षित रह सकती है।

(लेखिका स्वतंत्र शोधकर्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्रा
 अवधेश कुमार

उच्चतम न्यायालय का यह मत सर्वथा उचित है कि हिंसा चाहे किसी पक्ष की हो, उसकी स्वतंत्रत व निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की पीठ में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे। स्पष्टतः यह एक महत्वपूर्ण पीठ है। प्रचार शक्ति के कारण ऐसा लग रहा है जैसे केवल पुलिस ने एकपक्षीय हिंसा की। पुलिस की ज्यादाती है तो उसकी सही तरीके से जांच हो। जिस तरह जगह-जगह पुलिस की भी गाड़ियां तोड़ी गईं, पुलिस पर हमले हुए , पत्रकारों पर हमले हुए, अनेक के लिए काम करना कठिन हो गया, महिला पत्रकारों तक के साथ हिंसा हुई, उन सबकी अनदेखी भविष्य में पूरे देश के लिए खतरनाक साबित होगी। वास्तव में कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर- मंतर पर धरना और संसद मार्च तक जो कुछ अवांछित हुआ, उनसे देश के आम विवेकशील संतुलित लोग विचलित और भयभीत हैं।

उच्चतम न्यायालय का यह मानना बिल्कुल उचित है कि आरोपों से प्रथम दृष्टया ऐसा मामला बनता है, जिसके लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल द्वारा विस्तृत, निष्पक्ष और तटस्थ जांच की जरूरत है। न्यायालय ने केंद्र सरकार के साथ-साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश समेत अन्य संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से उत्तर मांगा है। न्यायपीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं के आरोपों से स्वतंत्र जांच का एक शुरुआती मामला बनता है। न्यायालय की यह पंक्ति देखिए, ऐसी जांच में घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों की चिंताओं और केंद्र सरकार की दलीलों की भी समान रूप से जांच होनी चाहिए। वैसे न्यायालय ने यह भी आदेश दे दिया कि बिना किसी आपराधिक रिकॉर्ड वाले हिरासत में लिए गए सभी नाबालिगों और छात्रों को तुरंत रिहा किया जाए। साथ ही अभी किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई रोकने का भी आदेश दिया है। इसमें तत्काल कोई समस्या नहीं है। कई बार जब समूह हिंसा करने लगता है तो कुछ निर्दोष, निरपराध की मानसिकता भी भीड़ जैसा करने की हो जाती है। हिंसा तो हिंसा है और वह अपराध की श्रेणी में आएगा। बावजूद ऐसे लोग जो वास्तविक छात्र हैं, उनके बारे में उदारतापूर्वक हिंचार होना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी के लोग या विरोधी भले कुछ कहे लेकिन न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दंडात्मक कार्रवाई की यह सुरक्षा असामाजिक तत्वों या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर लागू नहीं होगी। यह स्थिति केवल राजधानी दिल्ली तक सीमित नहीं रही। इसके प्रभाव या परोक्ष रूप से प्रयासों के कारण देश के अलग-अलग राज्यों में प्रदर्शन हुए और चिंता का विषय यह कि हर

मानव के लिए नैतिक मूल्यों का महत्व

नैतिक मूल्य मानव को परिपूर्णता प्रदान कर उसे ईश्वरीय रचनाओं में श्रेष्ठ बनाते हैं, परंतु आधुनिकता के नाम पर इन मूल्यों का निरंतर अवमूल्यन होता जा रहा है। बढ़ता भौतिकतावाद उन्हें लील रहा है। परिणामस्वरूप नैतिकता घुट-घुटकर ही सांस ले पा रही है। यह स्थिति तब है जब नैतिकता को मानव समाज के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता मिली है। नैतिकता के अभाव में मनुष्यता का आकलन संभव ही नहीं। नैतिकता व्यक्ति के विकास में एक सीढ़ी के समान है, जिसके सहारे हम अपने जीवन में आगे बढ़ते हैं। नैतिक मूल्यों के अभाव में मनुष्य मानव जीवन को निर्थक बना देता है। प्रख्यात विचारक अल्बियर कामू ने भी कहा है कि नैतिकता के बिना एक व्यक्ति इस दुनिया में किसी पशु के समान है। हम जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय नैतिक कसौटी पर कसने के बाद ही करते हैं, लेकिन देखने में आता है कि कई बार मनुष्य उसे अनदेखा कर फैसला करता है, जो नैतिक पतन का कारण बनता है। स्मरण रहे कि ईश्वर ने हमें सिर्फ सुख भोगने के लिए ही इस संसार में नहीं भेजा है। इसीलिए केवल भौतिक सुखों के लिए नैतिकता का परित्याग करना उचित नहीं। इसका एक कारण यही है कि अब हमने अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करना आरंभ कर दिया है। हमें यह पता होता है कि अमुक कार्य नैतिक रूप से सही नहीं, लेकिन सुख के लिए वह कार्य करने से संकोच नहीं करते। इसमें अक्सर दूसरे के हितों की बलि चढ़ जाती है।



करंट अफेयर

संरा महासचिव पद की दौड़ में ग्रिनस्पैन सबसे आगे

कोस्टा रिका की पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पैन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुए पहले अनौपचारिक मतदान में सबसे अधिक समर्थन हासिल कर एंतोनियो गुतेरस के बाद संयुक्त राष्ट्र की अगली महासचिव बनने की दौड़ में सबसे अग्रणी उम्मीदवार के तौर पर उभरी हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों ने बृहस्पतिवार को बंद कमरे में पहला अनौपचारिक मतदान किया। इस दौरान सदस्य देशों ने दुनिया के इस शीर्ष राजनयिक पद के उम्मीदवारों के प्रति अपना रुख बताने के लिए गैर-बाध्यकारी वोट डाले। सूत्रों के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन की महासचिव ग्रिनस्पैन के समर्थन में 10 वोट और विरोध में एक वोट पड़ा तथा चार देशों ने ‘कोई राय नहीं’ का विकल्प चुना। संयुक्त राष्ट्र में गुयाना की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत कैरोलिन रोड्रिग्स बकेट नौ समर्थन, दो विरोध और चार ‘कोई राय नहीं’ वोट के साथ दूसरे स्थान पर रही। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के समर्थन में सात, विरोध में दो और ‘कोई राय नहीं’ विकल्प के लिए छह वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

आंदोलन की हिंसा पर कोर्ट का मत उचित

उच्चतम न्यायालय का यह मत सर्वथा उचित है कि हिंसा चाहे किसी पक्ष की हो, उसकी स्वतंत्रत व निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की पीठ में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे। स्पष्टतः यह एक महत्वपूर्ण पीठ है। प्रचार शक्ति के कारण ऐसा लग रहा है जैसे केवल पुलिस ने एकपक्षीय हिंसा की। पुलिस की ज्यादाती है तो उसकी सही तरीके से जांच हो। जिस तरह जगह-जगह पुलिस की भी गाड़ियां तोड़ी गईं, पुलिस पर हमले हुए , पत्रकारों पर हमले हुए, अनेक के लिए काम करना कठिन हो गया, महिला पत्रकारों तक के साथ हिंसा हुई, उन सबकी अनदेखी भविष्य में पूरे देश के लिए खतरनाक साबित होगी। वास्तव में कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर- मंतर पर धरना और संसद मार्च तक जो कुछ अवांछित हुआ, उनसे देश के आम विवेकशील संतुलित लोग विचलित और भयभीत हैं।

उच्चतम न्यायालय का यह मानना बिल्कुल उचित है कि आरोपों से प्रथम दृष्टया ऐसा मामला बनता है, जिसके लिए एक उच्च-स्तरीय पैनल द्वारा विस्तृत, निष्पक्ष और तटस्थ जांच की जरूरत है। न्यायालय ने केंद्र सरकार के साथ-साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश समेत अन्य संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों से उत्तर मांगा है। न्यायपीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं के आरोपों से स्वतंत्र जांच का एक शुरुआती मामला बनता है। न्यायालय की यह पंक्ति देखिए, ऐसी जांच में घायल पुलिसकर्मियों के परिवारों की चिंताओं और केंद्र सरकार की दलीलों की भी समान रूप से जांच होनी चाहिए। वैसे न्यायालय ने यह भी आदेश दे दिया कि बिना किसी आपराधिक रिकॉर्ड वाले हिरासत में लिए गए सभी नाबालिगों और छात्रों को तुरंत रिहा किया जाए। साथ ही अभी किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई रोकने का भी आदेश दिया है। इसमें तत्काल कोई समस्या नहीं है। कई बार जब समूह हिंसा करने लगता है तो कुछ निर्दोष, निरपराध की मानसिकता भी भीड़ जैसा करने की हो जाती है। हिंसा तो हिंसा है और वह अपराध की श्रेणी में आएगा। बावजूद ऐसे लोग जो वास्तविक छात्र हैं, उनके बारे में उदारतापूर्वक हिंचार होना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी के लोग या विरोधी भले कुछ कहे लेकिन न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दंडात्मक कार्रवाई की यह सुरक्षा असामाजिक तत्वों या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर लागू नहीं होगी। यह स्थिति केवल राजधानी दिल्ली तक सीमित नहीं रही। इसके प्रभाव या परोक्ष रूप से प्रयासों के कारण देश के अलग-अलग राज्यों में प्रदर्शन हुए और चिंता का विषय यह कि हर

जगह उग्रता, हिंसा और उदंडता उनके भाग बने। ऐसा लगता है कि आने वाले समय में न्यायालय, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का पक्ष जानने के बाद एक उच्चस्तरीय विशेष जांच दल का गठन कर सकता है। यही उचित भी होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ और धरना प्रदर्शन के नाम पर हिंसा तथा अन्य अपराध करने वालों को सजा नहीं मिली तो ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ेगा जिन्हें भविष्य में संभालना कठिन होगा। इसीलिए हिंसा के हर संभव सबूत यानी जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन कैमरे की रिकॉर्डिंग, वायरलेस संचार रिकॉर्ड, पीसीआर कॉल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित



रखने को कहा गया है। सुनवाई के दौरान बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त है। साथ ही यह भी माना कि दोनों पक्षों की ओर से की गई हिंसा की समान रूप से जांच होनी चाहिए। अगर ऐसे विरोध प्रदर्शनों में खास झंडे वाले घुसकर सह मेजबान बन जाएं और अपराध करें तो इन सब की निष्पक्ष जांच क्यों नहीं होनी चाहिए? ध्यान रखिए, पुलिस कार्रवाई से लेकर केंद्र सरकार और राज्यों के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में अनेक नामी वकील खड़े थे। न्यायालय ने सबकी सुनने के बाद कहा कि जो लोग कानून को अपने हाथ में लेते हैं, उनसे कानून के अनुसार निपटा जाना चाहिए। न्यायालय का मत बिल्कुल स्पष्ट है कि कोई निर्दोष निरपराध फंसे नहीं लेकिन दोषी, अपराधी ,षड्यंत्रकारी कानून के शिकंजे से बचे भी नहीं। नीट का प्रश्न पत्र लीक हो या किसी परीक्षा का, यह सबके लिए राष्ट्रीय शर्म का विषय है। मनुष्य के विरुद्ध छात्रों और विभागों और आम लोगों के अंदर क्षोभ बिलकुल स्वाभाविक है। इनके लिए जिम्मेदार और संलिप्त लोगों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो उदाहरण बने। साथ ही लीक प्रूफ स्वतंत्र निष्पक्ष पारदर्शी परीक्षा

सत्कर्मों में सदैव आस्था रखें



एक नदी के तट पर एक शिव मंदिर था, एक पंडितजी और एक चोर प्रतिदिन अपनी-अपनी आस्था के अनुरूप मंदिर आया करते थे। जहां पंडितजी फल फूल, दूध चंदन आदि से प्रतिदिन शिवजी की पूजा करते। वहीं वह चोर रोज भगवान को खरी-खोटी सुनाता और अपने भाग्य को कोसता रहता। एक दिन पंडितजी और चोर एक साथ मंदिर से बाहर निकले। निकलते ही चोर को स्वर्णमुद्राओं से भरी एक थैली मिल गई। जबकि ठीक उसी समय पंडितजी के पैर में एक कील घुस गई। चोर स्वर्ण मुद्राओं से भरे थैले को पाकर अत्यंत प्रसन्न था। जबकि पंडितजी पीड़ा से परेशन थे, लेकिन पंडितजी को कील की पीड़ा से अधिक इस बात का कष्ट था कि मेरे पूजा पाठ करने के बाद भी बदले में भगवान ने मुझे कष्ट दिया। जबकि इस चोर के कुकर्मों के बदले में उसे स्वर्णमुद्राओं के रूप में पुरस्कार मिला। तब मंदिर से आवाज आई- हे पंडित! आज तुम्हारे साथ एक बड़ी दुर्घटना होने वाली थी। लेकिन तुम्हारे सत्कर्मों के कारण तुम केवल कील लगने की पीड़ा पाकर ही मुक्त हो गए। जबकि इस चोर के भाग्य में आज अपार धन संपत्ति प्राप्ति का योग था। लेकिन अपने कुकर्मों के कारण उसे केवल कुछ मुद्राएं ही मिली हैं। अच्छे कर्म से ही मनुष्य का भविष्य एवं भाग्य बनाता बिगड़ता है। इसलिए सदैव सत्कर्मों में आस्था बनाए रखना चाहिए।

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टनों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं – लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीली ‘आग का गोला’ बन जाता है – एक फ्लूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत बने समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा – 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

प्रणाली कायम हो। इससे किसी का विरोध हो ही नहीं सकता। पिछले कुछ वर्षों में विरोध प्रदर्शनों, धरना या आंदोलन का स्वरूप उभरने है, उससे भारत का हर विवेकशील व्यक्ति चिंतित है। 2020 में नागरिकता संशोधन विधेयक के विरुद्ध शाहीनबाग से आरंभ आंदोलन याद करिये। लंबे समय तक सड़कों पर लोग जमे रहे और उस दौरान भी हिंसा हुई। अंततः दिल्ली में दंगे हो गए, जिनमें 50 से ज्यादा लोग मारे गए। हमने कृषि कानून के विरुद्ध धरना और आंदोलन को देखा। गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर दिल्ली की सड़कों पर ऐसे दौड़ रहे थे मानो हथियारबंद गाड़ियां हों। लाल किले पर चढ़कर जैसा हुड़दंगा हुआ, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। पुलिसकर्मों धक्के देकर गिराए गए और वे घायल होकर अस्पताल में पड़े रहे। इसी तरह अग्निवीर योजना के विरुद्ध प्रदर्शनों में हमने भयानक हिंसा देखी। इसमें नेताओं के घरों पर हमले हुए। ट्रेन, स्टेशन थाने तक जले। स्पष्ट भारत विरोधी, विभाजनकारी, एकता - अखंडता तोड़ने वाले और कई बार मजहबी दृष्टि से सांप्रदायिक और अतिवादी वक्तव्य और नारे हुए। उनमें ज्यादातर के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई और पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आगे बढ़ाने की कोशिश की तो मामले वापस ले लिए गए। इस कारण ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ा। आप देखिए, भारत को तोड़ने की बात करने वाले शर्जिल इमाम के पक्ष में कितनी बड़ी संख्या में लोग खड़े होते हैं और न्यायालय में बड़े-बड़े वकील उनका मुकदमा लड़ते हैं। अगर हिंसा शाहिद अवांछित वक्तव्य और घटनाएं धरना-प्रदर्शन या आंदोलन की स्थायी प्रवृत्ति होती जा रही है तो इसका निदान हर हाल में तलाशा जाना चाहिए। यह न्यायालय के साथ विधायिका, राजनीतिक दलों, एनजीओ, एक्टिविस्टों, सामाजिक -सांस्कृतिक संगठनों और विवेकशील व्यक्तियों के समूहों का सम्मिलित दायित्व है। इसका लाभ देश विरोधी शक्तियां उठाती हैं।

सरकारी तंत्र में एक बार कोई अपराध या भ्रष्टाचार हुआ, भविष्य में नहीं होगा इसकी कोई गारंटी नहीं दे सकता। इसलिए कोई गणाली भी समय निरपेक्ष नहीं हो सकती। आवश्यकता समय अनुरूप उसमें परिवर्तन संशोधन की होती है। इस मायने में उच्चतम न्यायालय का यह कथन दूरदर्शितापूर्ण है कि बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन होने पर तुरंत कार्रवाई करने में सक्षम एक स्थायी व्यवस्था की जरूरत हो सकती है। शायद हमें एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत है ताकि जब भी कोई आपातकालीन स्थिति पैदा हो तो उस व्यवस्था को तुरंत लागू किया जा सके।

(लेखक बरिष्ठ रसकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

देश का मान बढ़ाया

सीमा को महिला डिस्कस थो इवेंट में 58.65 मीटर के बेस्टरीज थो के साथ बॉक्स मेंडल जीतने पर बहाई। उनकी कोशिश ने भारत का मान बढ़ाया है और देश के युवाओं को प्रेरित किया है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

एनर्जी सिक्वोरिटी

ई 20 की सफलता सिर्फप्रचलू लोडिंग की कलानी नही है, बल्कि यह पॉलिमी, फाइनेस, टेक्नोलॉजी और इंस्ट्रुंटी के ताकतमेल से की गई हस्सो की सुविद्योजित तैयारी का नतीजा है। यह पहल भारत की एनर्जी सिक्वोरिटी को मजबूती दे रही है।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय पर्यटन मंत्री

भारत का भविष्य

पीएम मोदी और अमित शाह- आप जेन-जेड को डरा-धमकाकर चुप नहीं करा सकते। पहले आपने उनकी हड़िया तोड़ी। अब आप एफआईआर दर्ज कर रहे हैं। आप भारत के भविष्य के साथ कैसा बर्ताव करते हैं, इसे लेकर सावधान रहे।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

किसान सम्मान निधि योजना

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के विस्तार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी करोड़ी किसानों के लिए महत्वपूर्ण निधि है। डायरेक्ट बैंकिंगके ट्रान्सफर के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में सीधे सहायता राशि पहुंचाना पारदर्शी और किसान-केंद्रित सुविधा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

- सभाट चौधरी, सीएम, बिहार

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

27% ओबीसी आरक्षण मामला: हाईकोर्ट में सुनवाई जारी

50% सीमा टूटने के लिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण जिम्मेदार

जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट में राज्य में 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण की संवैधानिक वैधता को लेकर सुनवाई शुक्रवार को भी जारी रही। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच में तय समय के अनुसार सुबह 11:30 बजे सुनवाई शुरू हुई। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के.एम. नटराजन ने अपना पक्ष पूरा किया। इसके बाद ओबीसी आरक्षण के समर्थन में अधिवक्ता शशांक रत्न्यू ने कहा कि 50% आरक्षण सीमा का उल्लंघन केवल ओबीसी आरक्षण के कारण नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओबीसी आरक्षण का अस्थादेश 8 मार्च 2019 को आया था, लेकिन यह कानून अप्रैल 2019 में लागू हुआ, जबकि ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आरक्षण 2 जुलाई 2019 से पहले ही लागू हो



चुका था। इसलिए यदि 50% की सीमा टूटी है, तो उसका मुख्य कारण ईडब्ल्यूएस आरक्षण का पहले लागू होना है। मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को दोपहर 2:30 बजे होगी।

आयोग और आंकड़ों का बचाव

ओबीसी पक्ष ने 1982 की महाजन

आयोग रिपोर्ट का बचाव करते हुए कहा कि राज्य में अनुसूचित जाति (लगभग 15%), अनुसूचित जनजाति (लगभग 20%) और ओबीसी (48.01%) की आबादी के आधार पर मध्य प्रदेश की तुलना पंजाब, बिहार या उत्तर प्रदेश से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि किसी भी सामाजिक वर्ग को पिछड़ेपन से बाहर आने में कम से कम दो पीढ़ियां लगती हैं। इसके अलावा, ओबीसी वर्ग में क्रीमी लेयर को अलग करने के लिए पहले से लागू सख्त व्यवस्थाओं और मानकों का भी हवाला दिया गया।

87-13% भर्ती फॉर्मूले पर कोर्ट का सख्त रुख

बहस के दौरान राज्य की भर्ती प्रक्रियाओं में लागू 87-13% फॉर्मूले को भी चुनौती दी गई। आपति दर्ज कराई गई कि 13%

प्रोविजनल सूची में केवल सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को ही स्थान दिया जा रहा है। इस पर हाईकोर्ट ने अपना रुख साफ करते हुए स्पष्ट किया कि सबसे पहले 27% ओबीसी आरक्षण की संवैधानिक वैधता से जुड़े सभी पक्षों की बहस पूरी की जाएगी। इसके बाद ही 87-13% भर्ती फॉर्मूले से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई होगी।

कोर्ट ने दिया अतिरिक्त समय

सुनवाई के अंत में अधिवक्ता शशांक रत्न्यू ने अदालत से लगभग एक घंटे का अतिरिक्त समय मांगा। इस पर कोर्ट ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर अदालत शाम 5:30 बजे तक भी बैठ सकती है। अदालत की ओर से अतिरिक्त समय दिए जाने के बाद अधिवक्ता शशांक रत्न्यू ने अपना पक्ष पूरी तरह समाप्त कर लिया।

मॉल 11 में खुला शॉपर्स स्टॉप का प्रीमियम प्लैगशिप स्टोर

जबलपुर। भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन, ब्यूटी एवं गिफ्टिंग रिटेल ब्रांड शॉपर्स स्टॉप ने शहर के मॉल 11 में अपना नया प्लैगशिप स्टोर शुरू किया है। करीब 23,672 वर्गफुट में फैले इस आधुनिक स्टोर में ग्राहकों के लिए 500 से अधिक प्रीमियम फैशन और ब्यूटी ब्रांड्स का विशाल कलेक्शन उपलब्ध कराया गया है। स्टोर में परिधान, फुटवियर, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, परफ्यूम, घड़ियां, हैंडबैग, एक्सेसरीज और होम प्रोडक्ट्स के साथ पर्सनल शॉपर लाउंड्रज एवं कैफे जैसी विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर शॉपर्स स्टॉप लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ कविंद्र मिश्रा ने कहा कि जबलपुर में नए स्टोर की शुरुआत कंपनी के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्टोर के माध्यम से शहर के ग्राहकों को प्रीमियम



ब्रांड्स की विस्तृत रेंज और बेहतर खरीदारी का अनुभव मिलेगा। नए स्टोर में लेवीज, जैक एंड जोन्स, रेयर रैबिट, यू.एस. पोलो एक्सोसिएशन, वेरो मोडा, ओनली, लिबास, यूनाइटेड कलर्स ऑफ बनेटन, अरमानी, प्रादा, माइकल कोर्स, टॉमी हिलफियर, केल्विन

क्लेन, गेस, एल्डो, स्टीव मैडेन, स्केचर्स, प्यूमा, रीबॉक और सैमसोनाइट सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स उपलब्ध हैं। कंपनी का कहना है कि यह स्टोर जबलपुर के ग्राहकों को आधुनिक, सुविधाजनक और प्रीमियम रिटेल अनुभव प्रदान करेगा।



मॉर्डन पैंटाथलॉन में एथलीटों का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। जिला स्तरीय मॉर्डन पैंटाथलॉन 19 वर्षीय बालक, बालिका जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन गोकुल इंटरनेशनल स्कूल गौर में जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे और जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा के मार्गदर्शन में किया गया। अंडर 19 बॉयज में प्रथम स्थान धनराज यूराती, द्वितीय शिवम यादव, तृतीय ध्रुव सिंह पटेल रहे। अंडर 19 गर्ल्स में प्रथम स्थान लक्ष्मिता मालवी, द्वितीय स्थान शिविका मालवी, तृतीय स्थान मायशारा अंसारी ने प्राप्त किया। उक्त सभी एथलीट आगामी संभाग स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता को आयोजित कराने में रॉबर्ट मार्टिन, सुरेंद्र चौधरी, राजेश सहारिया, कासी, सुधीर अवधिया, प्रतीक यादव, प्रेविन चार्ल्स, नित्या कुशवाहा आदि ने उपस्थित होकर प्रतियोगिता संपन्न कराई।

मृत्यु व गरिमाय होगा महाकोशल चेम्बर का शताब्दी वर्ष 2027

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के 100 वर्ष पूरे होने पर चेम्बर द्वारा सम्पूर्ण वर्ष व्यापार एवं उद्योग के लिए मृत्यु एवं गरिमाय आयोजन किए जाएंगे। चेम्बर कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता करते हुए चेम्बर अध्यक्ष रवि गुप्ता ने कहा कि महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स हो की 1927 में “द सर्वेंट एसोसिएशन” के नाम से नगर के 74 व्यापारियों, उद्योगपतियों के द्वारा प्रारंभ किया गया था जिसका 1936 में नाम बदलकर “महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स” कर दिया गया था, जिसकी गौरवशाली 100 वर्षों की यात्रा को वर्तमान सदस्यों से स्वरूप कराते हुए गरिमाय आयोजन किए जाएंगे। बैठक का संचालन चेम्बर मानवोन्नी मंत्री अखिल मिश्र एवं आमार कनिष्ठ उपाध्यक्ष युवराज जैन गढ़वाल ने किया। बैठक में हेमराज अगवाल, राजेन्द्र सिंह छाबरा, नवीन जैन, अनूप अगवाल, हिमंत सिंह, उमेश जैन, अरुण पवार, राजेन्द्र सुंदर, रामजी अगवाल, प्रदीप बिस्वा, सुनील ठाकुर, श्रीराम मुत्ते, सारंग मिश्र, अभिषेक जैन, मनीष केसरी, गौरव गुप्ता, सुरेन्द्र अगवाल, जय रोहाणी, हरनारायण सिंह राजपूत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

इलाहाबाद बैंक चौराहे के सौंदर्यीकरण कार्य का महापौर व विधायक ने किया निरीक्षण

जबलपुर। नगर निगम द्वारा सिविल लाइन स्थित इलाहाबाद बैंक चौराहे के सौंदर्यीकरण कार्य में तेजी लाई जा रही है। शुक्रवार को महापौर जगत बहादुर सिंह ‘अन्नू’ ने कैट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी के साथ निगम कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान एमआईसी सदस्य विवेक राम सोनकर, क्षेत्रीय पार्थद्वय श्याम कनौजिया, निगमयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, सीएम मिश्रा, विद्यानंद बाजपेयी, उपयुक्त शिवांगी महाजन तथा उद्योग अधिकारी मनीष तडुसे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। महापौर ने कहा कि शहर में अधोसंरचना एवं विकास कार्यों को नई गति दी जा रही है और इलाहाबाद बैंक चौराहे का सौंदर्यीकरण क्षेत्र को नई पहचान देने के साथ यातायात एवं नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाएगा। विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने कहा कि कैट क्षेत्र का सर्वांगी विकास उनकी प्राथमिकता है तथा यह परियोजना शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ आवागमन को भी अधिक सुगम बनाएगी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिक भरत रजक, नीरज रजक, अंकित फ्रांसिस, अजय केसवानी, ज्योति रेड्डी, अरमान, आनंद कोशिक एवं बबन भाई भी उपस्थित रहे।



मेडीकल यूनिवर्सिटी विखंडन का मामला

जबलपुर के हितों के मुद्दे पर चुप रहने वाले वर्तमान जिला प्रभारी मंत्री का जबलपुर को क्या लाभ?

जबलपुर। मेडीकल यूनिवर्सिटी विखंडन पर जबलपुर जिला प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, महाकोशल के कैबिनेट मंत्रियों- राकेश सिंह, राजेन्द्र शुक्ला तथा प्रहलाद पटेल की चुप्पी ने जबलपुर के नागरिकों को निराश किया है। सबसे ज्यादा निराशा जगदीश देवड़ा के मौन से हुई है, क्योंकि वे न केवल जबलपुर के प्रभारी मंत्री हैं, बल्कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री भी हैं। अतः जबलपुर के नागरिकों के समक्ष अहम प्रश्न खड़ा हुआ है कि ऐसे में जबलपुर के हितों के मुद्दे पर चुप रहने वाले वर्तमान जिला प्रभारी मंत्री का जबलपुर को क्या लाभ है? मंत्री जगदीश देवड़ा को ऐसी गलती का स्वयं अहसास होना चाहिए तथा अपने विवेक का उपयोग करते हुए उन्हें प्रभारी मंत्री पद से स्वयं अलग हो जाना चाहिए।

जन संगठनों ने मेडीकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के खिलाफ घंटाघर के पास प्रदर्शन कर



जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर चिंता के साथ नाराजगी भी व्यक्त की। प्रदर्शन में डॉ. पीजी नाजपांडे, टीके रायचटक, डॉ. एबी श्रीवास्तव, श्रीवास्तव, माया कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, प्रफुल्ल सक्सेना, रफीक कामरेड, रियाज कामरेड अर्धोलिया, एड. घनश्याम सोनकर, डीआर

लखेरा, अर्जुन कुमार, संतोष श्रीवास्तव, उमा दाहिया, मयंक राज, अंकित गोस्वामी, कुंवर सिंह, एड. बृजेश साहू, अशोक नामदेव, मोहन श्रीवास्तव, माया कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, प्रफुल्ल सक्सेना, रफीक कामरेड, रियाज कामरेड सहित अन्य शामिल रहे।

जिला स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता सम्पन्न विजेता अब राज्य स्तरीय स्पर्धा में दिखाएंगे दम

जबलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा के मार्गदर्शन में डी. गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, एकता में जिला स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में डायरेक्टर हरकरन सिंह, चंदन सिंह यादव, वेदप्रकाश चौबे, संजय पटेल, प्रतीक यादव, नंदन वर्मान एवं नित्या कुशवाहा सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे। प्राचार्य मीनल मंधान ने आयोजन की सराहना करते हुए सह सचिव सुनील कुमार पटेल एवं मध्य प्रदेश तैराकी संघ की टीम को बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को



आगामी राज्य स्तरीय एक्वाटिक चैंपियनशिप (ग्वालियर) के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बटरफ्लाई

और आई.एम. स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संभागीय शालेय प्रतियोगिता के लिए स्थान सुनिश्चित किया। तकनीकी संचालन नवराज सिंह, नीतेश कछवाहा, सिमोन पटेल (खेलो इंडिया रेफरी), प्रसन्न

कुशवाहा, सार्थक पटेल सहित अन्य अधिकारियों ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार पटेल एवं प्रतीक यादव ने किया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के प्रमुख विजेताओं में आगम जैन, तनिष्क झारिया, वीर अधिराज पूरी, आरव विश्वकर्मा, आदर्श राय, पार्थ गुप्ता, समरथ खरे, रितविक बापना, रुद्रनील, रोहन अम्बूरे, सरकार शेर सिंह, कबीर बलहारा, अनुराग राव, अरायना राजपाल, दर्शनी, त्रिशा दुबे, गौरिका जैन, शेषा दुबे, परी राय, विर्णिका सोनी एवं शरन्या सिंह ठाकुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

गैलेक्सी हॉस्पिटल में की गई चार बच्चों की निःशुल्क हृदय सर्जरी

अभिभावकों ने कहा अब फिर खिल उठेगा बचपन

जबलपुर। उखरी रोड स्थित गैलेक्सी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में जन्मजात हृदय रोग (वीएसडी) से पीड़ित चार बच्चों की निःशुल्क सफल सर्जरी कर उन्हें नया जीवन दिया गया। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत किया गया। चिकित्सकों के अनुसार वीएसडी (वैट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट) में हृदय के निचले दोनों कक्षों के बीच की दीवार में छेद होने से बच्चों को सांस लेने में तकलीफ, वजन नहीं बढ़ना, दूध पीते समय पसीना आना जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पताल में 5 वर्षीय तन्वी की वीएसडी क्लोजर एमवी प्रक्रिया से, जबकि 5



वर्षीय लक्ष्मी, 13 माह के आरव और 5 वर्षीय साहिल की वीएसडी क्लोजर सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। सभी बच्चे स्वस्थ हैं और तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं। बच्चों के अभिभावकों ने भावुक होकर चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह अपना बचपन जी सकेंगे। सर्जरी को हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश दुबे, हृदय शल्य चिकित्सक डॉ. प्रदीप सागवान तथा निश्चिंतना विशेषज्ञ डॉ. श्रीधर की टीम ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि समय पर जांच और उपचार से जन्मजात हृदय रोगों का सफल इलाज संभव है।

मुख्य महाप्रबंधक संजय भागवतकर को दी गई भावभीनी विदाई

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक संजय भागवतकर के सेवानिवृत्ति अवसर पर आज शक्ति भवन स्थित कंपनी के बोर्ड रूम में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) अशोक सिंह धुर्वे, मुख्य महाप्रबंधक (मंडल एवं क्रय) ए.के. तिवारी, मुख्य वित्तीय अधिकारी गोरीश कुमार वारमा, मुख्य महाप्रबंधक (संचा./स्था.) संजय निगम, मुख्य महाप्रबंधक (आईटी) प्रशांत गुप्ता, मुख्य अमितया (जबलपुर क्षेत्र) एस.के. गिरिया, सहित कॉरपोरेट कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संजय भागवतकर के परिजन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रबंध संचालक श्री गुप्ता ने संजय भागवतकर के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके योगदान एवं कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि श्री भागवतकर ने कंपनी में अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके कार्य के प्रति सम्पूर्ण और अनुभव की सराहना करते हुए प्रबंध संचालक ने उनके सेवानिवृत्त जीवन के लिए कंपनी परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कामना की कि श्री भागवतकर का आगामी जीवन स्वस्थ, सुखमय,



सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करें। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी भागवतकर को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कंपनी मुख्यालय से अध्यक्ष (उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम) आशीष शुक्ला, स्टॉफ अधिकारी देव कुमार बावरिया, कार्यालय अमितया संजय कुमार देवलिया, वरिष्ठ शौधलेखक रजनीश कुमार खंडेरिया एवं वरिष्ठ लाइन परिचारक कोमल सिंह शिवेदी भी सेवानिवृत्त हुए।

महाकौशल कॉलेज में श्रद्धा व उत्साह से मनाई गई मुंशी प्रेमचंद जयंती



जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस, शासकीय महाकौशल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा शुक्रवार को महान कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. ए.सी. तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद भारतीय समाज के संवेदनशील चिंतक थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से किसानों, मजदूरों,



महिलाओं और वंचित वर्ग की पीड़ा को स्वर देते हुए साहित्य को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाया। कार्यक्रम संयोजक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी सत्य, ईमानदारी, मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेरित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी रचनाओं का गंभीर अध्ययन कर उनके आदर्शों को जीवन में

अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. तृप्ति उकास एवं श्रीमती लल्लाबाई लोधी ने मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके साहित्य में निहित सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रेमचंद के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।



आखिर ऐसा क्या हुआ था उस रात, जिसके बाद अमिताभ रॉय को यह खौफनाक कदम उठाना पड़ा। इस वारदात ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया था। हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में हुए सनसनीखेज मां-बेटे हत्याकांड के मामले में पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट में दोनों की हत्या जहर देकर किए जाने की पुष्टि के बाद पुलिस ने फरार आरोपी पति अमिताभ रॉय उर्फ बाबला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी ने बेहद शातिर तरीके से गुपचुप (पानीपूरी) के पानी में चूहा मार जहर मिलाकर अपने ही परिवार को मौत के घाट उतारा था।

गुपचुप के पानी में चूहा मार जहर पत्नी और बेटे को मार डाला



जगदलपुर से राजेश दास

घर-घर की कहानी की तरह पति-पत्नी में होने वाले छोटे मोटे विवाद ने 13 फरवरी 2022 की रात को विकराल रूप ले लिया। लालबाग हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, ब्लॉक नंबर 20, मकान नंबर 389 में रहने वाले अमिताभ रॉय उर्फ बाबला को पत्नी चमेली रॉय की एक बात ऐसी चुभी, कि उसने उसी समय उसे मौत के घाट उतारने का खौफनाक निर्णय ले लिया। इसके बाद अगले दिन उसने गुपचुप के पानी में चूहा मार जहर मिलाकर खिला दिया। बावजूद पत्नी की मौत नहीं हुई तो उसने पत्नी व बेटे की रस्सी से गला घोटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद भी उसका मन विचलित नहीं हुआ और उसने सुबह बकायदा पूजा पाठ कर पत्नी व बेटे को टीका लगाया और नहा धोकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने का कबूलनामा डायरी में लिखकर फरार हो गया। फरार होने से पहले वह अपनी मां के घर पहुंचा और पूरी वारदात बताई।

पीएम और फॉरेंसिक रिपोर्ट से हुआ 'जिंक फॉस्फाइड' जहर का खुलासा : मकान नंबर 389 में चमेली रॉय और उनके मासूम बेटे आरव रॉय के शव मिलने के बाद पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टरों की पीएम रिपोर्ट में साफ हुआ कि दोनों की मौत जहर देने और दम घुटने की वजह से हुई है। घटनास्थल से बरामद चूहा मार दवा और उल्टी के नमूनों की जब रासायनिक जांच कराई गई, तो उसमें जिंक फॉस्फाइड नामक खतरनाक रासायनिक विष की पुष्टि हुई।

कोर्ट में चालान पेश, आरोपी सलाखों के पीछे : आरोपी अमिताभ रॉय के खिलाफ हत्या का अपराध सिद्ध पाए जाने पर पुलिस ने उसे 1 मार्च 2022 को ही गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। मामले में प्रार्थी पिता नरेश पण्डा और अन्य गवाहों के बयानों, फॉरेंसिक साक्ष्यों और जन्मी के आधार पर पुलिस ने पुख्ता दस्तावेज तैयार किए।

पति के मर्दानगी को चैलेंज करते हुए 'बेटे का बाप कोई और है' कहा, जिसके बाद खौफनाक हत्याकांड को दिया अंजाम

गुपचुप के पानी में मिलाया जहर, सांस चलते देखा तो रस्सी से घोंटा गला

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए फरार आरोपी अमिताभ रॉय को 1 मार्च 2022 को ओडिशा के जगन्नाथ पुरी से हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि घटना के दिन उसने 'टाईगर रेड किलर' (चूहा मार दवा) का 10 पैकेट बाजार से खरीदा और उसे स्टील की गंजी (मगोने) में रखे गुपचुप के पानी में मिलाया था और उसे स्टील की प्लेट में परोसकर अपनी पत्नी और बच्चे को खिलाया। जहर खाने के बाद भी जब पत्नी की मौत नहीं हुई, तब आरोपी ने मच्छरदानी बांधने वाली काँटन की रस्सी से दोनों का गला घोटकर उनकी जान ले ली। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल स्टील की गंजी, प्लेट और काँटन की रस्सी बरामद कर जब्त कर ली है।



पैसे के विवाद व ताने ने उजाड़ दिया हंसता-खेलता परिवार

पुलिस विवेचना में यह बात सामने आई है कि आरोपी अमिताभ रॉय उर्फ बाबला का अपनी पत्नी चमेली रॉय के साथ रुपए-पैसों के लेनदेन को लेकर तथा पत्नी द्वारा पति को बार बार नपुंसक कहना और बेटे का बाप कोई और है कि बात पर अक्सर विवाद होता था। इसी विवाद के चलते उसने 13 फरवरी 2022 को इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया और खुद का कबूलनामा डायरी में लिखकर फरार हो गया था। पुलिस ने डायरी के पन्नों पर लिखे उस स्वीकारोक्ति पत्र की हैडराइटिंग जांच के लिए उसे एक्सपर्ट के पास भेजा था, जहां उसी की हैडराइटिंग होने की पुष्टि हुई।

प्रेम जब आक्रोश में बदलता है, वह यह नहीं देख पाता कि इसका अंजाम क्या होगा। एक ऐसा ही वाकिया छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में घटित हुआ, जहां एक प्रेमिका का गुस्सा का शिकार प्रेमी की पत्नी और एक मासूम को होना पड़ा। जिद में आकर प्रेमिका ने अपने प्रेमी की पत्नी और उसके बच्चों पर धारदार हथियार से लगातार वार किया। घटना में पत्नी और एक मासूम की मौत हो गई, वहीं एक बालिका ने बाथरूम में छिपकर अपनी जान बचाई।



मिलाई से जेएम तांडी



छत्तीसगढ़ की राजनीति को आमतौर पर सौम्य और अपेक्षाकृत शांत माना जाता है। यहां राजनीतिक मतभेद शायद ही कभी खूनी संघर्ष का रूप लेते हैं, लेकिन कोरबा जिले के कटघोरा में 23 दिसंबर 2025 को हुई भाजपा नेता अक्षय गर्ग की हत्या ने इस धारणा को झकझोर दिया। व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, राजनीतिक वक्त्र और एक क्रिकेट प्रतियोगिता के पोस्टर में फोटो-नाम नहीं आने से उपजी नाराजगी ने ऐसी रंजिश को जन्म दिया, जिसका अंत दिनदहाड़े हुई निर्मम हत्या में हुआ।



कोरबा से नागेन्द्र श्रीवास

दिसंबर 2025 को कटघोरा थाना क्षेत्र के कटोरी नगोई में हुई थी वारदात

सियासी और कारोबारी टकराव का खूनी अंजाम, जेल से चुनाव लड़ने तक की कहानी

कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कारखाना एरिया निवासी भाजपा नेता अक्षय गर्ग 23 दिसंबर 2025 को इनोवा का क्रमांक जेएच 05 डीके 2244 से ग्राम कटोरी नगोई स्थित अपने कार्यस्थल पर गया हुआ था। सुबह लगभग 9.30 बजे अक्षय गर्ग कैप के पास मजदूरों से कामकाज को लेकर चर्चा कर रहा था, तभी एक चार पहिया वाहन से तीन अज्ञात व्यक्ति मौके पर पहुंचे और धारदार लोहे की टेंगिया व चापड़ से उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अक्षय गर्ग के सिर, हाथ और पेट में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौत हो गई थी। हत्या की वारदात के बाद कटघोरा में सनसनी फैल गई थी और दुकानों के शटर गिरा दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी व उनकी टीम ने कटघोरा में ही कैप किया था और अगले दिन ही वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को धरदबोचा था जिसमें मलदा निवासी आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद पिता महमूद अहमद (27), विश्वजीत ओग्रे (21), गुलशन दास (26) एवं एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मुख्य आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद था। जो अक्षय गर्ग का व्यवसायिक और राजनितिक प्रतिद्वंद्वी था, लेकिन भाजपा नेता अक्षय गर्ग के प्रभाव की वजह से मुस्ताक अहमद को व्यावसायिक और राजनितिक क्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही थी।

सामाजिक प्रभाव में आ गई थी कमी

अक्षय गर्ग के क्षेत्र क्रमांक 18 बिंदूरा जनपद से जीतने के बाद मिर्जा मुस्ताक अहमद के सामाजिक प्रभाव में भी कमी आ गई थी। एक क्रिकेट प्रतियोगिता में मिर्जा मुस्ताक अहमद की फोटो और नाम पोस्टर से गायब करा दिया गया था। इन्हीं कारणों की वजह से दोनों के बीच लगातार टकराव बढ़ता ही जा रहा था, जिसके चलते मुस्ताक ने अक्षय को जान से मारने की प्लानिंग की। पुलिस ने आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया। जिसके बाद मामले के मुख्य आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद ने जेल की चार दीवारों में रहकर उप चुनाव जनपद सदस्य का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया था, जहां से चुनाव लड़ा और हार का सामना करना पड़ा।



आरोपी का वारदात में रोल

बताया जाता है इस सनसनीखेज हत्या की वारदात को अंजाम देने में मुख्य आरोपी ग्राम मलदा निवासी मिर्जा मुस्ताक अहमद पिता महमूद अहमद (27) मुख्य आरोपी था, जिसने हत्या की योजना तैयार कर हथियार इकट्ठा कर सर्वप्रथम घटना स्थल पर अक्षय गर्ग के पेट पर वार किया। वहीं सिंधिया कोरबी निवासी विश्वजीत ओग्रे पिता स्व. नागेन्द्र ओग्रे (21) वर्ष मिर्जा मुस्ताक का मुख्य सहयोगी है, जिसने घटना स्थल पर टेंगिया से अक्षय गर्ग के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए थे। मलदा निवासी गुलशन दास पिता त्रिभुवन दास (26) ने मृतक अक्षय गर्ग के आने जाने की हर सूचना वारदात के मुख्य आरोपी मिर्जा मुस्ताक अहमद को देता रहा। जिसके बाद आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया था।

तीन साल पहले ही फेसबुक से एसटीएफ आरक्षक ने युवती से पहले दोस्ती की। उसके बाद दोस्ती प्यार में बदली, फिर दोनों ने मिलकर शादी भी कर ली। शादी के बाद युवती को दुर्ग लाकर किराए के मकान में आरक्षक रखा हुआ था, जबकि आरक्षक पहले से शादीशुदा है। 2023 में आरक्षक की दोस्ती हुई थी उसकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा का परिवार दुर्ग कातुलबोर्ड स्थित एसटीएफ कॉलोनी में निवास करता था। स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि आरक्षक ललितेश यादव छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पदस्था है। 15 दिनों के अवकाश पर आरक्षक अपने घर आया हुआ था। जिसके चलते घर में खुशियों का माहौल था।

परिवार में आरक्षक की पत्नी रानी (रीना) यादव, बेटियां तानियां, नैना और एक बेटा आदित्य घर पर रहते थे। 25 अप्रैल शनिवार की सुबह घर का माहौल खुशनुमा था। आरक्षक की शादी की सालगिरह होने पर परिवार को यूपी छोड़ने के लिए ट्रेन की बुकिंग कराने के लिए दुर्ग रेलवे स्टेशन गया हुआ था। अचानक उसके घर सक्रती जिला जेजेपुर हल्दीडीह निवासी सरोजनी भारद्वाज पहुंची, जो दुर्ग के किराए के मकान में रहती थी।

पत्नी रानी ने आरक्षक पति को फोन कर सरोजनी के बारे में बताया तो उसने सरोजनी को शादी की सालगिरह होने की जानकारी दी और कहा कि परिवार को गांव यूपी छोड़ने टिकट के लिए रेलवे स्टेशन आना है। फिर सरोजनी ने कमरे का दरवाजा भीतर से बंद कर पलंग में सो रहे 8 वर्षीय मासूम आदित्य यादव पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर कर दिया।

सरोजनी को पड़ोसियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया



बेटियों को भागने में दे दी आवाज

बताया गया है कि जब सरोजनी एक के बाद एक करके हमला कर रही थी। तब रानी यादव ने अपनी दोनों बेटियों को भागने के लिए आवाज लगा रही थी, तभी तानिया बाथरूम में छिप गई, लेकिन दूसरी बेटि नैन पर हमला कर दिया गया। किसी तरह बाहर निकलकर तानिया सूचना पड़ोसियों को दी। पड़ोसियों ने आरोपी युवती को पकड़ लिया। उसके दोनों हाथ को बांधकर रखा था। मौके पर सुपेला चौकी स्मृति नगर के जवानों के पहुंचने पर सरोजनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस उससे पूछताछ करने पर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

प्रेमिका आरक्षक के साथ रहना चाहती थी

स्मृति नगर पुलिस ने बताया कि सरोजनी भारद्वाज आरक्षक ललितेश यादव के साथ रहना चाहती थी, लेकिन ललितेश उसे रखना नहीं चाहता था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी और प्रेमिका सरोजनी भारद्वाज के बीच हमेशा पहले भी विवाद होता रहता था। युवती महिला सरोजनी भारद्वाज आरक्षक के साथ रहने की जिद को लेकर घटना के एक दिन पहले शुक्रवार 24 अप्रैल को उसके घर भी पहुंची थी, लेकिन आरक्षक की पत्नी रीना यादव के साथ उसका जमकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरक्षक ललितेश सरोजनी को समझा-बुझाकर उसे उसके घर दुर्ग छोड़कर लौट आया था।

एलन कोटा में निःशुल्क कोचिंग कर कैथून के गोदल्याहेड़ी गांव के सागर रेगर ने हासिल की नीट में कैटेगिरी एआईआर-684

घर-घर से कबाड़ जुटाते हैं पिता, अब डॉक्टर बनेगा बेटा

गुटखे की लत से बहन को कैंसर हुआ सागर ने डॉक्टर बनने का संकल्प लिया, एलन शिक्षा संबल ने दी संकल्प को दिशा

कोटा। कभी-कभी अपनों का दर्द झकझोर देता है। ऐसे में जागरूकता और सामाजिक बदलाव जीवन का लक्ष्य बन जाते हैं। ऐसी ही कहानी है शिक्षा की काशी कोटा के नजदीक कैथून करबे के गांव गोदल्याहेड़ी के छात्र सागर रेगर की। एलन शिक्षा संबल के अंतर्गत एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा में नीट की कोचिंग कर सागर ने 564 अंक के साथ 98.6296 परसेन्टाइल हासिल कर ऑल इंडिया रैंक 27157 एवं एससी कैटेगिरी में एआईआर 684 प्राप्त की है। सागर ने कैथून के सरकारी स्कूल से पढ़ाई की और 10वीं में 76 प्रतिशत और 12वीं में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सागर के पिता मुरली रेगर निरक्षर हैं तथा मां राम मूर्ति आठवीं तक पढ़ी हैं। सागर का कहना है कि परिवार बड़ा है, शिक्षा और जागरूकता के अभाव में परिवार के कई लोग बंधे की गिरफ्त में हैं। बुआ की बेटी को गुटखे के सेवन के कारण कैंसर हो गया, जिसने मुझे झकझोर दिया। शिक्षा ही समाज को बदलने का सबसे प्रभावी माध्यम है। डॉक्टर बनने के बाद परिवार और समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा के महत्व और नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास करूंगा।

सागर ने बताया कि यह सफलता संभव नहीं हो पाती, यदि एलन शिक्षा संबल का सपोर्ट नहीं मिलता। यहां एलन में पढ़ाई के साथ-साथ रहना और खाना भी निशुल्क मिला। इससे मैं पूरी लगन से सालभर पढ़ाई कर सका और अपना व परिवार का सपना साकार कर सका। पिता ने असमर्थता जता दी थी क्योंकि इतने पैसे नहीं थे। इसके बाद

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियां का आयुर्वेदिक उपचार ज्यादा असरदार

नागपुर। वर्षा ऋतु एक ऐसी ऋतु है जिसकी मीठी सुगंध का सभी को बेसब्री से इन्तजार रहता है। 3-4 महीने की मयंकर्ष गर्मी से पीड़ित हर प्राणी शीघ्र बारीश आए ऐसी अपेक्षा करता है। बारीश आते ही सभी जीव जन्तु एवं पेड़ पौधों में नवजीवन का संचार हो जाता है। चारों तरफ हरियाली छा जाती है। श्रावण की घटा एवं छटा मन को प्रखन करती है व मानव पुष्पलिल हो जाता है। भारत देश में प्रकृति द्वारा 6 ऋतुएं होती हैं। सभी ऋतुओं का अपना अपना महत्व है हर दो ऋतुओं के बीच में ऋतु संधि काल होता है जिसका आयुर्वेद में स्वस्थ की दृष्टी से महत्व बताया गया है। 1) व्रीष 2) वर्षा 3) शरद 4) हेमंत 5) शिशिर 6) वसंत इन 6 ऋतुओं में कैसा आहार एवं विहार करना चाहिए साथ ही दिनचर्या, रात्रीचर्या का पालन स्वस्थ रहने की दृष्टी से विस्तार पूर्वक कहा गया है। इन सभी ऋतुओं में जितनी मनोहरी (मन को प्रखन करने वाली) वर्षा ऋतु है वह कभी कभी उतनी ही स्वास्थ्य के लिए कष्टदायक भी हो जाती है। बारीश में यदि व्यक्ति भीग जाता है वह लापरवाही करता है तो सर्दी होना, खांसी होना, बुखार होना, दस्त होना मलेरिया होना इत्यादि रोग उत्पन्न होते हैं। वर्षा में हवा में नमी रहती है। मक्खी मच्छर की अधिकता रहती है। पानी दूषित होता है। फल व सब्जियां अच्छी नहीं मिल पाती इन सब कारणों से विभिन्न प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं। उनमें सामान्य रूप से होने वाले कुछ रोग उनके लक्षण एवं उनका आयुर्वेदिक उपचार यहां वर्णित है। वर्षा ऋतु में सर्वप्रथम हमें रोगों से बचने का उपाय व सावधानी बरतनी चाहिए। बारीश में भीगने से बचना चाहिए। भीग भी गये थे, तो स्वेच्छ होना, स्नान कर शरीर को सुखा लेना चाहिए। स्वेच्छ पानी पीना चाहिए। घर में पूरी तरह सफाई का ध्यान रखें ताकि मक्खी मच्छर न फैल सकें। भोजन में गरिष्ठ पदार्थों का सेवन न करें। बासी भोजन न खाएं। फस्ट फूड से बचें। भोजन में न सोएं। घर के बाहर जमा एक्कड़ पानी पर कोंटकनाशक का छिंकाव करें। इन सब उपायों से हम बहुत कुछ बारीश के कारण से उत्पन्न होने वाली बिमारियों से अपने आपको बचा सकते हैं।

VEHICLE AVAILABLE for SALE

MARUTI DZIRE TOUR

Model - 2017

MP20-TA-0930

"as is where is condition"

Contact within 7 days at

M/s Sundaram Finance Ltd.

II Floor, Digamber Tower 936, Wright Town, Jabalpur- 482002

0761-2451218, 9425600590

एसबीआई ने लांच की नई मोटर इंश्योरेंस ब्रांड फिल्म

मुंबई । एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने अपने एकीकृत ब्रांड अभियान ‘चुनिए भरोसा, अपनों सा’ के तहत मोटर इंश्योरेंस पर आधारित नई विज्ञापन फिल्म जारी की है। इस अभियान में अभिनेता और ब्रांड एंबेसडर पंकज त्रिपाठी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाये।

क्यों की कमजोरी बामर्दी धातु का पतलापन, शुगर, वी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।

घर बैठे मंगवाये।

लाभ नही तो पैसे वापिस।

09083218330

राशिफल	
	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।
	आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न
	किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।
	जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।
	पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।
	मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।
	मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।
	आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।
	क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
	मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।
	पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।



राजकीय विद्यालय कैथून के प्रिंसिपल सर ने मुझे गाइड किया और शिक्षा संबल के बारे में बताया। मुझे परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। मेरा चयन हुआ और वहीं से जीवन बदला। योजना के तहत एलन कोटा में नीट की निशुल्क कोचिंग मिली और एलएन माहेश्वरी परमार्थ व्यास की ओर से निशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। इस संबंध में एलएन माहेश्वरी परमार्थ व्यास के दृस्टी व एलन के फाउंडर नवीन माहेश्वरी ने

कहा कि सरकारी विद्यालयों के हिन्दी माध्यम की प्रतिभाओं को आगे लाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम शुरू किया गया। जब ये बच्चे सफल होते हैं तो यह सफलता सिर्फ एक परिवार तक सीमित नहीं रहती। ये पूरे समाज में बदलाव लाते हैं, दूसरे बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। आर्थिक अभाव के बीच मिला शिक्षा का सहारा घर-घर कबाड़ एकत्रित कर परिवार का पालन-पोषण करने वाले सागर के पिता मुरली रेगर ने बताया कि इसका शुरू से ही डॉक्टर बनने का

सपना था, लेकिन हमारे पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं थे। सरकारी स्कूल में पढ़ाया, लेकिन सागर की लगन कभी कम नहीं हुई, तो एलन शिक्षा संबल का सहयोग मिला जो बहुत लाभदायक साबित हुआ। सागर की मां गृहिणी हैं और जब पिता कबाड़ लेकर आते हैं, उसमें से स्कैप अलग करने में पिता की मदद करती है। मात्र दो कमरों का घर है। घर में सागर के अलावा दो छोटी बहनें हैं। बड़ी बहन मानसी 12वीं कक्षा में बायोलॉजी सबजेक्ट से पढ़ाई कर रही हैं, जबकि सबसे छोटी बहन इशिका 10वीं कक्षा की छात्रा है। सागर का कहना है कि शिक्षा संबल ने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। यदि इस योजना का लाभ नहीं मिलता तो बीएससी में एडमिशन लेना पड़ता। मेरे पिता निरक्षर हैं और मां राम मूर्ति आठवीं कक्षा तक शिक्षित हैं, लेकिन दोनों को शिक्षा का महत्व पता है इसलिए उन्होंने हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एलन शिक्षा संबल

सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के सपने पूरे करने के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट एवं एल एन माहेश्वरी परमार्थ व्यास के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2024 से एलन शिक्षा संबल कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत परीक्षा के आधार पर 126 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें निशुल्क नीट की कोचिंग दी जाती है। इसमें 81 छात्राएं व 45 छात्र शामिल होते हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट द्वारा कोटा में निशुल्क कोचिंग दी जाती है तथा एलन परमार्थ व्यास द्वारा निशुल्क आवास व भोजन की व्यवस्था की जाती है।



आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस हमारे सुरक्षा पोर्टफोलियो में 10 साल की पॉलिसी अवधि जोड़कर ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। इसमें किफायत के साथ-साथ ऐसे फीचर शामिल हैं जो सही मायने में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करते हैं। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस के जरिए, ग्राहकों को जानलेवा बीमारी का पता चलने पर 100% बीमा राशि (सम अश्योर्ड) मिलती है।

है। इस प्लान में विशेष रूप से सुनिश्चित प्रीमियम के साथ 'क्रिटिकल इलनेस' (गंभीर बीमारी) सुरक्षा का विकल्प है, जो हर साल नहीं बढ़ता है। इस प्लान में 67,100 रुपये तक की निःशुल्क स्वस्थ एवं वेलनेस सेवा भी शामिल हैं और ग्राहकों को 3 लाख रुपये तक का तुरंत दावा भुगतान भी मिलता है। गैरतलब है कि कंपनी का दावा निपटान अनुपात 99.3% रहा, जो उद्योग में अग्रणी है। साथ ही, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान एक दिन की औसत दावा निपटान अवधि के साथ, हम ग्राहकों और उनके परिवारों की मदद के लिए उस वक़्त हमेशा उपस्थित रहते हैं, जब उन्हें हमारी सबसे अधिक जरूरत होती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान, 1,306 करोड़ रुपये के न्यूरो से जुड़े दावों का निपटारा किया और परिपक्वता तथा उत्तरजीविता (सर्वाइवल) लाभ के तौर पर 3,360 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी उत्पादन वनमण्डल, मण्डला

Ph./Fax No. 07642-252449 E-mail- dfowmpmand@mp.gov.in

प.क्र./मण्डल/2026/ निविदा सूचना मण्डला, दिनांक/.....

अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय द्वारा विदोहन सामग्री (मेजनिंग टैप 02 मीटर, जोंगा रस्सा एवं डिजिट सेट) के क्रय हेतु ई-टेंडर प्रक्रिया के तहत निविदा आयोजित है। इच्छुक निविदाकार ऑनलाईन माध्यम से बेवसाईट के द्वारा निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा फार्म केवल ऑनलाईन माध्यम से बेवसाईट www.mptenders.gov.in के द्वारा ही दिनांक 14.08.2026 समय 10.00 बजे पूर्वान्ह से स्वीकार किये जायेंगे। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.08.2026 समय 05.00 बजे अपरान्ह तक होगी तथा दिनांक 24.08.2026 समय 12.00 बजे अपरान्ह निविदा खोलने की कार्यवाही की जावेगी। उक्त निविदा की जानकारी कार्यालयीन समय पर फोन नं. 07642-252449 से अथवा कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

वनमण्डलाधिकारी

G-16506/26 "स्वच्छता ही सेवा" उत्पादन वनमण्डल, मण्डला

SHRI RAM GROUP

JABALPUR

Affiliated to RGPV, Approved by AICTE, New Delhi & Near IIT, Madhotal, Jabalpur (M.P.)

Admission Notice

Under Institutional Preference Seats

Shri Ram Institute of Technology (SRIT)

CSE - 24	AIIML - 15	EC - 12	ME - 06
	Comp.Engg. - 03	EE - 06	CE - 03

On 1st Aug. to 14 Aug. 2026 Time - 10:00 A.M.

(1) Admission under this quota will be done strictly as per guideline defined by DTE MP. (2) As determined by the Fee Committee and DTE MP. (3) Interested candidate may contact with all the original document.

VENUE : SHRI RAM GROUP, JABALPUR

For Further Enquiry ☎9755042292, 9755042293

शब्द पहली - 6304

	1	2	3	4		6	7					
8		9				10						11
12	13		14									
17		18		19	20			21				
22				23				24				
			25									
26	27	28				29	30	31	32			
33				34		35		36				
37				38		39	40		41			
			42			43		44				
						45						
								46				

बाएँ से दाएँ

- सदर, अगुआ-4
- जनमत, एक राय-4
- पुराना जुकास-3
- चिंता, परवाह-3
- पैदा, तल्ला-2
- ताल, सुर, आलाप-2
- महोदय (अंग्रेजी)-2
- लाडला, दुलारा-2
- निवास करना-3
- डोली उठाने वाले-3
- नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
- तड़फाना-4
- जल में रहनेवाला-4
- दरियादिल, करुण-5
- झाक की राजधानी-4
- भेंट, पुस्क-4
- पासों से भविष्य देखना-3
- अश्ववाहक, घुड़सवार-3
- चौकसी, रखवाली-3
- हलक, कैंठ-2
- सदैव-2
- लार -2

- निश्चित-2
- कालीन-3
- बंदर, मकंट-3
- किसान-4
- इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4
- ऊपर से नीचे
- क्रिकेट में बनते हैं-2
- गंगमा, गीत (उर्दू)-3
- जो लायक न हो-4
- अधिकारी, अफसर-4
- राशिचक्र की एक राशि -3
- झगड़ा, बैर-2
- आदत, व्यवहार-4
- शमशीर-4
- तरंग, हिलोर-3
- तृष्णा, लोभ-3
- अमेरिका स्थित
- वेधशाला-2
- जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
- नौर, पानी-2
- देवार्थ-3

24. ईर्ष्या, डाह-3

26. वटवृक्ष-4

27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3

28. दलहन-2

30. मंत्र जाप-2

31. तसल्ली, आराम-3

32. भगवान विष्णु-4

34. धर्मशीलता-4

35. जंगमा-4

38. तमीज-3

40. साजन, प्रेमापत्र-3

42. पहरा, चौकसी-2

44. अवकाश-2

शब्द पहली- 6303 का हल

ना	स	म	झ	क	पा	स
कु	ल	झ	क	रा	ह	म
ल	रि	बा	र	ण	र	क
ति	ह	म	नो	नी	त	सो
जा	त	क	ि	त	र	त
म	न	का	न	व	र	व
का	बु	ख	ब	री	पी	खा
आ	स	रा	आ	य	दा	व

सूडोकू नवताल- 6314

4		9		6	1		8
6	8						
	1	7	3	8		4	
3	4		6		7		9
5		1	8			2	7
2			5	1		8	4
		3		7	5	8	6
						9	5
7		6	2		8		1

सूडोकू नवताल- 6313 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहेली का केवल एक ही हल है।



गुडू और कालीन गदर मचाने को तैयार

नई दिल्ली। महीनों के इंतजार के बाद, 'मिर्जापुर: द मूवी' के मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का धमाकेदार टीजर रिलीज किया, जिसने फैंस को इस आइकॉनिक फ्रैंचाइजी के बड़े पर्दे वाले एक्साइटेशन की पहली झलक दिखाई। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंद्र शर्मा एक बार फिर अपने फैंस के पसंदीदा किरदारों में नजर आए। 11 अगस्त को ट्रेलर रिलीज होने के बाद 'मिर्जापुर: द मूवी' की टीम बड़े स्तर पर प्रमोशन शुरू करेगी। मेकर्स 7 से 8 शहरों में एक खास मल्टी-सिटी ट्रेलर लॉन्च रोड ट्रिप की तैयारी कर रहे हैं। इस दौरान फिल्म की लीड स्टारकास्ट

देश के अलग-अलग शहरों में जाकर फैंस से मिलेगी और सिनेमाघरों में रिलीज से पहले 'मिर्जापुर: द मूवी' का मौकाल सीधे दर्शकों तक पहुंचाएगी। इस स्टारकास्ट की ओर बड़ा बनते हुए फिल्म में अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, मोहित मलिक, शोभा चव्हा, राजेश तेलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौड़, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस. चौहान भी नजर आएंगे, जो मिर्जापुर की दुनिया का एक नया और रोमांचक चैप्टर बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 4 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लाइफ Style

बतौर कलाकार और निर्देशक अग्निनेत्री कोंकणा सेन शर्मा को हॉरर फिल्मों बहुत पसंद हैं, लेकिन वह उन फिल्मों को देखने से इतरती भी हैं। एक थी डायन हॉरर फिल्म में अग्निनय कर चुकी कोंकणा ने बताया कि उनके भीतर हॉरर फिल्मों का निर्देशन करने वाला निर्देशक भी है। वह एक हॉरर फिल्म की कहानी पर काम भी कर रही है।

कोंकणा

साइकोलॉजिकल हॉरर कहानियों में है दिलचस्पी

एग्जेंसी ►► मुंबई

अपनी निर्देशित पहली फिल्म 'ए डेथ इन द गंज' के एक डरावने सीन पर बात करते हुए कोंकणा ने कहा कि फिल्म के एक डरावने रात वाले सीन को लिखते समय कई बार शीशे में खुद की ही परछाई देखकर मैं डर जाती थी। हॉरर जानर मुझे दिलचस्प लगता है, लेकिन जब मैं हॉरर जॉनर में कुछ लिखती हूं, तब खुद भी डर जाती हूं। इस कारण मैं कई बेहतरीन हॉरर फिल्में भी नहीं देख पाती हूं, क्योंकि उनका असर मेरे मन में बहुत लंबे समय तक रह जाता है। मैं एक हॉरर फिल्म भी बनाना चाहती हूं। मातृत्व पर आधारित उस कहानी के बारे में मैं काफी समय से बात कर रही हूं, लेकिन अभी तक उसे लिखा नहीं है। साइकोलॉजिकल हॉरर कहानियों में मेरी गहरी दिलचस्पी है। आगे कोंकणा ने बताया कि वह अपनी इस कहानी के सारे क्लिपटिव राइट्स खुद के पास रखना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने इस कहानी के लिए फिलहाल किसी स्टूडियो या निर्माता से बात नहीं की है। वह कहती हैं कि मैं किसी निर्माता से पैसे लेकर सक्रिप्ट नहीं लिखना चाहती, क्योंकि ऐसा करने पर वह कहानी उनकी हो जाती है। कहानी में रीमाग मैं है, अगर मैं थोड़ी कम बिजी हुई तो इसे खुद लिखूंगी। कोंकणा पिछली बार प्राइम वीडियो की थ्रिलर सीरीज 'सर्च: द नैना मर्डर केस' में नजर आई थीं जिसमें उन्होंने एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था।



हॉलीवुड मसाला

इस फिल्म के विलेन ने ली 1000 करोड़ की फीस

नई दिल्ली। 4500 करोड़ की फिल्म का विलेन 1000 करोड़ की फीस ले गया। हॉलीवुड की सबसे बड़ी सुपरहीरो फ्रैंचाइजी मार्बल सिनेमैटिक युनिवर्स में एक बार फिर इतिहास रच जा रहा है। एवेंजर्स: इंसोडे में विलेन डॉक्टर डूम की भूमिका निभाने वाले रॉबर्ट डाउनी जूनियर को लगभग 100 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1000 करोड़ रुपए की भारी-भरकम फीस मिलने की खबर है। यह डील दो फिल्मों 'एवेंजर्स: इंसोडे' और उसके सीक्वल 'एवेंजर्स: सीक्रेट वॉर्स' के लिए है। फिल्म का प्रोडक्शन बजट भी आसमान छू रहा है। रिपोटर्स के अनुसार, इंसोडे और सीक्रेट वॉर्स का बजट लगभग 600 मिलियन डॉलर (लगभग 5700 करोड़ रुपए) है।



स्पाइडर मैन ने ला दी बॉक्स ऑफिस में आंधी

मुंबई। स्पाइडर-मैन बांड व्यू डे ने तो भारत में पहले ही दिव लूटान मचा दिया है। फिल्म ने पहले ही दिन इतनी जबरदस्त कमाई की है कि आप भी जानकर हैरान हो जाएंगे। इतना ही नहीं मूवी की जो पहले दिन की कमाई है उसने कई हिंदी फिल्मों के पहले दिन के कलेक्शन को पछाड़ दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन भारत में 60.60 करोड़ की कमाई कर ली है। वहीं गॉस मवी ने 72.44 करोड़ की कमाई की है। स्पाइडर मैन बांड व्यू डे ने इंग्लिश के बाद सबसे ज्यादा हिंदी भाषा में कमाई की है। फिल्म के पहले दिन के धमाकेदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को देखते हुए लगता है कि वीकेंड पर फिल्म 100 से 150 रुपए तक की कमाई कर सकती है, क्योंकि फिल्म को काफी अच्छे रिव्यूस मिल रहा है। जन नायकन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने गुरुवार को 3.98 करोड़ की कमाई की थी। स्पाइडर मैन की आंखों में जन नायकन भी हिल गई। बता दें कि इस फिल्म के कलेक्शन के साथ यह मार्बल सिनेमैटिक यूनिवर्स की पहली फिल्म बन गई है भारत में सबसे ज्यादा ओपनिंग के साथ।



टीचिंग के बाद लगा एक्टिंग का चस्का

नई दिल्ली। कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। कियारा ने मुंबई से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। उन्होंने अभिनय में आने से पहले अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाया भी। वह बच्चों को कविताएं सुनाती थीं और उनकी देखभाल करती थीं। कियारा का कहना है कि इस अनुभव ने उन्हें जिम्मेदारी और संयम रखना सिखाया। कियारा आडवाणी ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया। साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही।



अनुपम ने पूरी की 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग

मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर को सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में देखा जाएगा। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसकी जानकारी अनुपम खेर ने पोस्ट साझा करके दी है। उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ सूरज के लिए इमोशनल पोस्ट लिखा है। उन्होंने निर्देशक के साथ काम करने का सफर भी साझा किया है। अनुपम खेर ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, 'और अब ये पूरा हुआ। गुरुवार रात, हमने सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की शूटिंग पूरी कर ली। मैं सूरज को तब से जानता हूं, जब वे मेरी पहली फिल्म 'साराश' में असिस्टेंट थे। तब से हमने आठ से ज्यादा फिल्मों का सफर साथ तय किया है। उन्हें हमारे समय के सबसे बेहतरीन कहानीकारों में से एक बनते देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है।

टीवी मसाला



दूरदर्शन का यह शो आज भी कहलाता है कल्ट क्लासिक

नई दिल्ली। आज ओटीटी पर 'द एम्पायर', 'ताज: डिवाइडेड बाय ब्लड' और 'फ्रीडम एट मिडलाइट' जैसी सीरीज इतिहास को बड़े पैमाने पर पर्दे पर पेश कर रही हैं। लेकिन, इनसे कई साल पहले दूरदर्शन ने एक ऐसा ऐतिहासिक धारावाहिक दर्शकों को दिया था, जिसे भारत की संस्कृति और इतिहास को बेहद रोचक अंदाज में घर-घर पहुंचाया। साल 1988 में प्रसारित 'भारत एक खोज' श्याम बेनेगल के निर्देशन में बना था और यह जवाहरलाल नेहरू की प्रसिद्ध किताब 'द इस्कवरी ऑफ इंडिया' पर आधारित था। खास बात यह है कि नेहरू ने यह किताब जेल में रहते हुए लिखी थी। 53 एपिसोड वाले इस धारावाहिक में सिंधु घाटी संस्कृति से लेकर भारत की आजादी तक की पूरी यात्रा को नाटकीय शैली में दिखाया गया। भारत एक खोज की सबसे बड़ी खासियत इसकी दमदार स्टारकास्ट थी। इस सीरियल में नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, रोशन सेठ, टॉम ऑल्टर, कुलभूषण खरबंदा, रजित कपूर, पंकज बेरी, इला अरुण, के.के. रेना, अंजन श्रीवास्तव और सदाशिव अमरापुरकर जैसे कई दिग्गज कलाकार नजर आए। दिलचस्प बात यह भी थी कि उस दौर में अपने कैरियर की शुरुआत कर रहे इरफान खान भी इस सीरियल का हिस्सा थे। आगे चलकर उन्होंने भारतीय सिनेमा के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपनी अलग पहचान बनाई। यह धारावाहिक किसी एक किरदार की कहानी नहीं था, बल्कि हर एपिसोड भारत के इतिहास के अलग दौर को सामने लाता था।

लॉकअप 2 बना जुबानी जंग का नैदान

नई दिल्ली। लॉकअप 2 रियलिटी शो अब अपने फिनले एपिसोड की तरफ बढ़ रहा है। इस शो की जीतने की दौड़ में आकांक्षा चमोला और श्रेया कालरा शामिल हैं। हाल ही में आकांक्षा को पता चला कि श्रेया ने उनके और गौरव खन्ना के रिश्ते पर उल्टी-सीधी बातें कही। आकांक्षा को चुड़ैल कहा। इस बात से वह आहत हो गई हैं। ऐसे में आकांक्षा ने श्रेया कालरा को खुब खरी-खोटी सुनाई। शो लॉकअप 2 के वायरल वीडियो में श्रेया कालरा को आकांक्षा ने कहा, तुम गौरव खन्ना (आकांक्षा से पति) को कितना जानती हो। क्या बाहर तुम उसे जानती हो। तुम्हें कहा कि अच्छा हुआ कि आकांक्षा का गौरव से तलाक हो रहा है। तुमने मुझे चुड़ैल कहा। यह बातें कहते हुए आकांक्षा चमोला काफी गुस्से में थी। आकांक्षा की बातों का जवाब भी श्रेया के पास नहीं था। शो लॉकअप 2 की बात करें तो अब इसमें राम कपूर, शिवांगी जोशी, पमेली सेरेना, आकांक्षा चमोला, शिफा शिंदे, आकांक्षा चौधरी, राम कपूर, श्रेया कालरा, हर्षद चोपड़ा जैसे सेलेब्स ही बचे हैं। जल्द ही इसका फिनले एपिसोड भी दर्शकों को देखने को मिलेगा। रियलिटी शो 'लॉक अप 2' की रितेश देशमुख और फरहा खान होस्ट कर रहे हैं।

फातिमा ने तीन कौवे के सेट से साझा की तस्वीरें

नई दिल्ली। फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बाँबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बाँबी देओल के साथ विक्रटी साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा 'गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूँ। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बाँबी देओल महान हैं। बात खत्म।' आपको बता दें कि 'तीन कौवे' अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बाँबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं



में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनिन रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं। मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक 'तीन कौवों' की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

इश्क हो या दर्द, हर जज्बे को महसूस कराने की थी काबिलियत

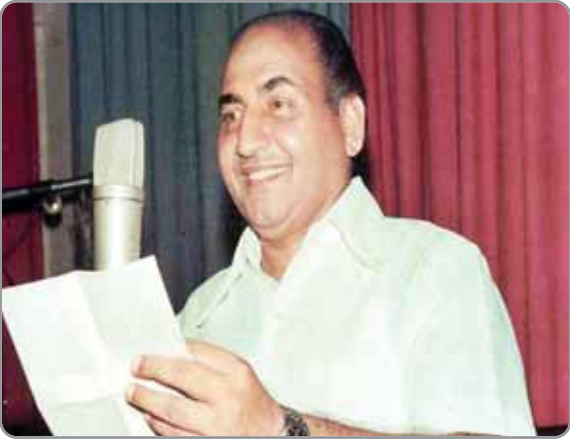
रफी के ये सदाबहार गाने आज भी देते हैं दिल को सुकून

एग्जेंसी ►► नई दिल्ली

सुरों के सरताज कहे जाने वाले गायक मोहम्मद रफी में हर जज्बे को महसूस कराने की काबिलियत थी। मोहम्मद रफी न सिर्फ एक बेहतरीन गायक थे, बल्कि वो एक दौर के जज्बात थे, जो आज भी हर उम्र के लोगों की प्लेलिस्ट में जिव हैं। उनके कुछ ऐसे सदाबहार नगमें, जिन्होंने संगीत को अमर बना दिया।

गुलाबी आंखें जो तेरी देखीं (द ट्रेन)

ये रोमांटिक गाना जितना मस्ती से भरपूर है, उतना ही खूबसूरत भी। इसे लिखा था आनंद बख्शी ने और संगीत दिया था आर. डी. बर्मन ने। साल 1970 में राजेश खन्ना और नंदा पर फिल्मए गए इस गीत को आज भी क्लब्स और पार्टियों में बजाया जाता है। माना जाता है कि ये गाना एक ही टेक में रिकॉर्ड हुआ था, जिसमें रफी साहब को महारत हासिल थी। वो लगभग हर गाने को एक ही बार में रिकॉर्ड कर लिया करते थे।



क्या हुआ तेरा वादर (हम किसी से कम नहीं)

साल 1977 के इस गीत के लिए रफी साहब को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इसे लिखा था मजरूह सुल्तानपुरी ने और संगीत दिया था

आर. डी. बर्मन ने। इस गीत को अभिनेता तारिक पर फिल्माया गया था, जिसे रफी की आवाज ने और भी प्रभावशाली बना दिया।

बाहों में चले आओ (अनामिका)

साल 1973 के इस सुगीले नगमे में मोहम्मद रफी के साथ लता मंगेशकर की जुगलबंदी ने प्रेम की गहराई को छू लिया था। संगीतकार थे राहुल देव बर्मन और गीत लिखे थे मजरूह सुल्तानपुरी ने। यह गाना आज भी कपल्स के फेवॉरिट रोमांटिक सॉन्ग्स में गिना जाता है। ये गाना सजीव कुमार और जया भादुरी पर फिल्माया गया था।

अभी न जाओ छोड़ कर (हम दोनों)

साल 1961 में देव आनंद और साधना पर फिल्माया गया ये गाना हिंदी सिनेमा के सबसे मधुर प्रेम गीतों में गिना जाता है। जयदेव के संगीत और साहिर लुधियानवी की कलम से निकला ये गीत मोहब्बत को बेहद खूबसूरती से बयां करता है।

लिखे जो खत तुझे (कस्से वादे)

1967 में शंकर-जयकिशन के संगीत और हसरत जयपुरी की शायरी में रफी साहब ने इस गीत को एक प्रेम पत्र की तरह गाया। ऐसा कहा जाता है कि शशि कपूर और आशा पारेख पर फिल्माए इस गाने को रिकॉर्ड करते हुए हर कोई भावुक हो गया था। इस गीत ने प्रेम में खो जाने का नया तरीका सिखाया।

तेरा मुझसे है पहले का नाता कोई (आ गले लग जा)

1963 में ये गीत जितना सुफियाना है, उतना ही आत्मा को छू लेने वाला भी है। इसे लिखा था शैलेन्द्र ने और संगीत था शंकर-जयकिशन का। गीत आज भी कई आयोजनों में गूंजता है और काफी पसंद किया जाता है।



सूत्र ने यह भी बताया कि मामले के तूल पकड़ने के बाद ऑडिशा सरकार को 30 जुलाई को जर्सी का रंग बदले जाने के संदर्भ में ईमेल भेजा गया है जबकि जर्सी 28 जुलाई को लांच की गई थी। कार्यकारी बोर्ड के एक सदस्य ने संपर्क करने पर बताया कि उन्हें जर्सी का रंग बदले जाने की कोई जानकारी नहीं थी और न ही उन्हें राय ली गई बल्कि लांच के बाद ही उन्हें पता चला।

ऑपरेशन क्लीन 2026...

जबलपुर पुलिस ने पेश किया छह माह का दमदार रिपोर्ट कार्ड

शुभम् शुक्ला

हरिभूमि, जबलपुर। वर्ष 2026 के पहले छह माह (1 जनवरी से 30 जून) में जबलपुर पुलिस ने अपराध नियंत्रण, तकनीकी पुलिसिंग और संगठित अपराध के विरुद्ध आक्रामक रणनीति के साथ अभियान चलाकर प्रदेश में प्रभावी पुलिसिंग की मिसाल पेश की है। पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के नेतृत्व में संचालित ‘ऑपरेशन क्लीन-2026’ के तहत हत्या, लूट, झपटमारी, साइबर ठगी, वाहन चोरी, नकली सोना गिरोह, नशीले इंजेक्शन और गांजा तस्करी जैसे संगठित अपराधों पर लगातार प्रहार किए गए। साथ ही डिजिटल विवेचना और ई-एफआईआर व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार कर जबलपुर ने प्रदेश की अग्रणी श्रेणी में स्थान बनाया।

तकनीक बनी पुलिस की सबसे बड़ी ताकत

जबलपुर पुलिस ने 650 विवेचकों को टैबलेट उपलब्ध कराकर ई-विवेचना की गति दी। इसके परिणामस्वरूप जिला ई-इन्वेस्टिगेशन में प्रदेश की टॉप-5 रैंकिंग में पहुंचा, जबकि सीसीटीएसएस रैंकिंग में 19वें स्थान से छलांग लगाकर छठा स्थान हासिल किया। ई-एफआईआर के प्रभावी क्रियान्वयन ने विवेचना को अधिक पारदर्शी, त्वरित और जवाबदेह बनाया।

महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण में सुधार

वर्ष 2025 की तुलना में बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट के 17 मामलों (करीब 30 प्रतिशत) तथा छेड़छाड़ एवं पॉक्सो के 12 मामलों (करीब 29 प्रतिशत) में कमी दर्ज की गई। छह माह में 523 अवैध शस्त्रधार पकड़ण, जिनमें 34 फायर आर्म्स से जुड़े मामले शामिल हैं, दर्ज किए गए। आबकारी एक्ट के 3779, जुआ एक्ट के 318 प्रकरण दर्ज हुए, जबकि बीएनएसएस की विभिन्न धाराओं में हजारों प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर अपराधियों पर अंकुश लगाया गया। आदतन अपराधियों के विरुद्ध 212 जिलाबदर तथा 14 राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) की कार्रवाई भी की गई।

अवैध शराब के कारोबार में पति-पत्नी गिरफ्तार

1,248 पाव और 43 बोतल शराब जब्त

जबलपुर। मदनमहल थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके घर से 43 बोतल, 818 पाव अंग्रेजी और 387 पाव देशी शराब सहित कुल 1,248 पाव/बोतल शराब बरामद की है। साथ ही शराब बिक्री से प्राप्त 6,150 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। थाना प्रभारी धीरज राज ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आमनपुर कालीमंद निवासी बंटू विश्वकर्मा उर्फ ज्ञानेश्वर विश्वकर्मा अपनी पत्नी रजनी विश्वकर्मा के साथ घर से अवैध शराब का कारोबार कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने दर रात दबिशा दी। पुलिस के पहुंचते ही बंटू विश्वकर्मा छत के रास्ते भागने लगा, लेकिन बाद में उसे भी पकड़ लिया गया। वहीं उसकी पत्नी ने पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और घर का दरवाजा नहीं खोला।तलाशी के दौरान घर के पोच, सीढ़ियों और कमरों से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी व देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से शराब बिक्री के नकद रुपये भी जब्त किए। दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी बंटू विश्वकर्मा आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से सात आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

अत्याधुनिक तकनीक से होगी सुनने की क्षमता की जाँच, विशेषज्ञ देंगे निःशुल्क परामर्श

जबलपुर। स्वर्गीय डॉ. केलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्रा. लि. द्वारा शुक्रवार से दो दिवसीय निःशुल्क श्रवण क्षमता जाँच एवं विशेषज्ञ परामर्श शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्देश्य शिशुओं, बच्चों, युवाओं, वयस्कों एवं वरिष्ठ नागरिकों में श्रवण संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उन्हें उचित उपचार एवं श्रवण पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराना है। क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने बताया कि समय पर श्रवण जाँच कराने से सुनने की क्षमता को सुरक्षित रखने के साथ भविष्य में होने वाली गंभीर समस्याओं से भी बचाव संभव है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने की अपील की।

शिविर में चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा एवं उनकी विशेषज्ञ टीम अत्याधुनिक साउंड-प्रूफ चैम्बर में विश्वस्तरीय उपकरणों

तकनीक , रणनीति और सख्ती से अपराध पर कठोर प्रहार

महिला सुरक्षा से लेकर अंतरराज्यीय गिरोहों के सफाए तक बड़ी सफलता, नशे के नेटवर्क, लूट, झपटमारी, एटीएम ठगी और वाहन चोर गिरोहों का पर्दाफाश, ई-इन्वेस्टिगेशन में भी प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल हुआ जबलपुर।



खितौला बैंक डकैती में बड़ी कामयाबी, फरार अंतरराज्यीय डकैतों तक बिहार में शिकंजा

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय के नेतृत्व में जबलपुर पुलिस ने वर्ष 2026 में खितौला स्थित ईएसएसएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में 11 अगस्त 2025 को हुई करीब 14,800 किलोग्राम सोने के जेवरत और 5 लाख की डकैती के मामले में लगातार बड़ी सफलताएं हासिल कीं। क्राइम गांव, थाना खितौला और बिहार एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में चार राज्यों में वांछित मुख्य आरोपी सुनील पासवान को गया (बिहार) से गिरफ्तार कर उसके कब्जे और निशानदेही पर 750 ग्राम सोना (कीमत लगभग 1.25 करोड़) बरामद किया गया। इसके बाद चंचल पासवान और छोट्ट उर्फ सरमन मेहता को भी गिरफ्तार कर 350 ग्राम सोना (लगभग 60 लाख) तथा चारदात में प्रयुक्त 7.65 एमएम बोर की देशी पिस्टल जप्त की गई। अब तक इस वंचित बैंक डकैती में 1,100 किलोग्राम से अधिक लूट गया सोना बरामद कर लिया गया है। यह कार्रवाई आधुनिक तकनीक, सटीक खुफिया तंत्र और अंतरराज्यीय समन्वय के दम पर जबलपुर पुलिस की प्रभावी एवं पेशेवर अपराध जांच का उल्लेखनीय उदाहरण माना जा रही है।

नकली सोना, वाहन चोरी और एटीएम ठगी का खुलासा

अंतरराज्यीय नकली सोना गिरोह के पन्नालाल राठौर, धर्मदे, वीरेंद्र और रामादेवी को गिरफ्तार कर 1.55 करोड़ नकद, 84 ग्राम असली सोना, 20 किलो नकली सोने की गिब्बियाँ और 11 मोबाइल फोन जब्त किए गए। गिरोह इलाज और गड़ा धन दिलाने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करता था। माद्रोताल पुलिस ने राकेश श्रीवास्त और राजेश साहू को गिरफ्तार कर 15 चोरी के दोपहिया वाहन (लगभग 15 लाख कीमत) बरामद किए, जिनमें रायपुर (छत्तीसगढ़) से चोरी की गई मोटरसाइकिलें भी शामिल थीं।

प्रायगराज से दबोचे सराफा

लूट के आरोपी गोरखपुर, कैंट, ओमती और बेलबाग पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले विनोद गौतम को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 66 एटीएम कार्ड, जूटिटर स्कूटी, 5,500 नकद, सोने की झुमकी तथा 3.68 लाख की ठगी की राशि होल्ड कराई गई। वहीं पनागर में दिसंबर 2025 की सराफा लूट का खुलासा करते हुए दीपक त्रिपाठी (प्रायगराज) और गोविंद पांडे को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से 750 ग्राम सोने के आभूषण, 1104 ग्राम चांदी, 1 लाख नकद, सुपर स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद किए गए।

नशे के नेटवर्क पर सबसे बड़ा प्रहार

पुलिस ने 19 प्रकरणों में कार्रवाई कर 33 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 86.64 किलोग्राम गांजा, 41.035 ग्राम स्मैक, 8064 नशीले इंजेक्शन तथा लगभग 31.56 लाख कीमत के मादक पदार्थ जब्त किए गए। बेलागाँव और अथारताल थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दुर्गा पटेल, मोहम्मद आरिफ, अमजद खान, सैय्यद अशरफ अली उर्फ जीजा, सौरभ नामदेव और गोरेशंकर साहू को गिरफ्तार किया। आरोपियों से एविल और डुप्लीफ़िन के लगभग 6600 नशीले इंजेक्शन, ई-रिवशा और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए। जांच में अस्पतालों एवं सफाई चैन से जुड़े नेटवर्क के भी अहम सुराग मिले।

प्रभावी कार्रवाई जारी रखेगी

पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों को गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराधों की रोकथाम, तकनीक आधारित विवेचना और आमजन में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करना भी है। आधुनिक तकनीक, खुफिया तंत्र और अंतरराज्यीय समन्वय के माध्यम से जबलपुर पुलिस आने भी संगठित अपराध और नशे के नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जारी रखेगी।

-संपत उपाध्याय, पुलिस कप्तान, जबलपुर



हाईकोर्ट ने सरकार को जवाब के लिए दिया आखिरी मौका

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन के नियंत्रण वाले मंदिरों में पुजारियों की नियुक्ति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को अवसर नहीं दिए जाने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। अजायब भोपाल के सचिव एमसी अहिरवार की ओर से दायर जनहित याचिका में चार फरवरी, 2019 को धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग द्वारा जारी पुजारी नियुक्ति नीति को चुनौती दी गई है। एसोजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने अनावेदकों को जवाब दाखिल करने के लिए चार

सरकारी मंदिरों में एससी-एसटी और ओबीसी के पुजारी क्यों नहीं

पुजारी नियुक्ति की 2019 की नीति को चुनौती, केवल ब्राह्मणों को अवसर देने का आरोप

सप्ताह का अंतिम अवसर दिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया कि इसके बाद जवाब दाखिल करने का अधिकार बंद माना जाएगा। मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए गए हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों में पुजारी नियुक्ति की प्रक्रिया में केवल ब्राह्मण वर्ग को अवसर दिया जा रहा है, जबकि एससी - एसटी और ओबीसी वर्ग के लोगों को इससे वंचित किया जा रहा है। याचिकाकर्ता ने इसे समानता और अवसर के संवैधानिक अधिकारों के विपरीत बताते हुए नीति की समीक्षा की मांग की है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर के साथ अधिवक्ता अभिलाषा लोधी ने पक्ष रखा, जबकि राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता अनुभव जैन उपस्थित हुए।

12 लाख की आईटीआर पर सीनियर एडवोकेट डेजिग्नेशन, हाईकोर्ट में नियम को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट डेजिग्नेशन के लिए लगातार तीन वर्षों तक न्यूनतम 12 लाख रुपये की आय दर्शाते हुए इनकम टैक्स रिटर्न, आईटीआर दाखिल करने की अनिवार्यता को चुनौती दी गई है। भोपाल निवासी अधिवक्ता राजेश नेमा की याचिका पर एसोजे विवेक रूसिया

व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल और राज्य के विधि व विधायी कार्य विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी किया है। जवाब के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। याचिका में 17 मार्च, 2026 के उच्च नॉटिफिकेशन को चुनौती दी गई है, जिसमें सीनियर

एडवोकेट डेजिग्नेशन की पात्रता के लिए तीन वर्षों तक न्यूनतम 12 लाख रुपये की आईटीआर की शर्त रखी गई है। वॉकिंग कॉन्फेरेंसिंग से स्वयं पैरवी करते हुए नेमा ने तर्क दिया कि आय की यह सीमा कई अनुभवी और योग्य अधिवक्ताओं को अवसर से बाहर कर सकती है।

हाईकोर्ट में चुनौती : प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी सहित अन्य को नोटिस जारी

फर्जी मेडिकल बिल में 66 लाख की वसूली, फिर भी 16 एएसआई को प्रमोशन

जबलपुर। फर्जी मेडिकल बिल प्रकरण में शासन को 66.43 लाख रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने के आरोपों के बीच 16 एएसआई को पदोन्नति दिए जाने का मामला मप्र हाईकोर्ट पहुंच गया है। याचिका पर जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। राजधानी भोपाल निवासी एएसआई प्रभाश्र सिंह ने याचिका में पुलिस मुख्यालय के 13 जुलाई 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत मिनिस्ट्रियल स्टाफ भोपाल के 16 एएसआई को पदोन्नति दी गई। याचिका के अनुसार इन कर्मचारियों से फर्जी मेडिकल बिल मामले में 66.43 लाख रुपये की वसूली का आदेश था। इनमें 12 कर्मचारी पूरी राशि जमा कर चुके हैं, जबकि चार अभी किरतों में भुगतान कर रहे हैं। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि मप्र शासन के पदोन्नति नियम-2025 के तहत शासन को हुई आर्थिक क्षति को वसूली लंबित रहने पर संबंधित कर्मचारी पदोन्नति का पात्र नहीं है। वसूली पूरी होने के बाद भी एक वर्ष तक पदोन्नति नहीं दी जा सकती। याचिका में कहा गया कि पदोन्नति से पहले आपत्ति भी दर्ज कराई गई थी, लेकिन उसे नजरअंदाज कर दिया गया।



निर्देश दिए गए थे, लेकिन वे वापस नहीं लौटे।कोर्ट को बताया गया कि शिक्षक को पहले कलेक्टर के आदेश से विधायक के यहाँ भेजा गया, फिर हटाया गया और बाद में अपर कलेक्टर के आदेश पर दोबारा वहीं पदस्थ कर दिया गया। गुहार लगाई गई है कि शिक्षक की संलग्नता (अटेंचमेंट) रद्द कर उन्हें तुरंत मूल विद्यालय भेजा जाए ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू हो सके।

हाईकोर्ट 4 अगस्त को करेगा सुनवाई

छिंदवाड़ा में पारिवारिक मामलों के क्षेत्राधिकार पर असमंजस

जबलपुर। छिंदवाड़ा जिले के ग्रामीण और तहसील क्षेत्रों के पारिवारिक (कुटुंब) मामलों की सुनवाई किस अदालत में होगी? क्षेत्राधिकार को लेकर बनी इस असमंजस की स्थिति का मप्र हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। जिला अधिवक्ता संघ, छिंदवाड़ा द्वारा भेजे गए पत्र को गंभीरता से लेते हुए एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को तय की है। जिला अधिवक्ता संघ छिंदवाड़ा ने 3 जुलाई 2026 को हाईकोर्ट को पत्र भेजकर बताया कि छिंदवाड़ा कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने ग्रामीण और तहसील क्षेत्रों से संबंधित पारिवारिक विवादों की सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। उनका तर्क है कि इन क्षेत्रों पर कुटुंब न्यायालय का कानूनी अधिकार क्षेत्र नहीं है।इस रुख के कारण कई लंबित मामले बिना